● वर्ष : 17 ● अंक : 198 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित शनिवार 09 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

सोमनाथ मंदिर हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प: पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 11 मई को उन्हें एक बार फिर वहां जाने का सौभाग्य मिलेगा। उन्होंने इसे भारत की सभ्यता और आस्था की महानता का प्रतीक बताया और उन विभूतियों एवं वीरों को नमन किया जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी सोमनाथ की रक्षा की और उसकी शान को पुनर्जीवित किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में सोमनाथ पर लिखे अपने लेख को साझा करते हुए कहा कि यह अवसर हमें स्मरण कराता है कि इस पावन स्थल की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए देश की कई पीढ़ियों ने निरंतर संघर्ष किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। समुद्र की लहरें हमें यह सिखाती हैं कि चाहे कितने भी तूफान क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। प्रभास की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है और यहां आने वाले श्रद्धालु

सोमनाथ मंदिर भारत की सभ्यता, स्वाभिमान और अदम्य आस्था का प्रतीक

उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का अनुभव करते हैं, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। प्रधानमंत्री ने उन असंख्य विभूतियों का स्मरण किया जिन्होंने आक्रमणों के बीच भी सोमनाथ की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों से लेकर महाराज धारसेन चतुर्थ, भीम प्रथम, जयपाल, आनंदपाल, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल सोलंकी, भाव बृहस्पति, पाशुपताचार्य, विशालदेव वाघेला, त्रिपुरांतक, महिपाल चूड़ासमा, राव खंगार चूड़ासमा और पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक नामों का जिक्र करते हुए कहा कि इन सबने कठिन समय में भी भक्ति और परंपरा को जीवित रखा। उन्होंने वीर हमीरजी गोहिल और वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों को भी नमन किया। प्रधानमंत्री ने अपने लेख में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार बल्लभ भाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि 13 नवंबर 1947 को सरदार पटेल ने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने समुद्र का जल हाथ में लेकर यह प्रतिज्ञा की थी कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। दुर्भाग्यवश वह इस सपने को साकार होते नहीं देख सके, लेकिन उनके विजन को केएम मुंशी ने आगे बढ़ाया और 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा हुआ। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उद्घाटन समारोह में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्हें अक्टूबर 2001 का वह समय याद है जब मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने दायित्व संभाला था।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुभाषित साझा कर भारतीय सेना के शौर्य को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय सेना के साहस, शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए जवानों का समर्पण हर देशवासी को गौरवान्वित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स पर पोस्ट साझा कर सेना के जज्बे की सराहना करते हुए लिखा कि "देश के मान-सम्मान की रक्षा के लिए भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम सभी देशवासियों को गौरवान्वित करता है। मां भारती के लिए मर-मिटने का उनका जज्बा हर किसी को प्रेरित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया- स्वधर्ममपि चावेक्ष्य न विकम्पितुमर्हसि | धर्म्याद्धि युद्धाच्छ्रेयोऽन्यत्क्षत्रियस्य न विद्यते।। इस सुभाषित का अर्थ है कि अपने कर्तव्य का बोध होने पर व्यक्ति के मन में किसी भी प्रकार की दुविधा या भय नही होना चाहिए, क्योंकि न्याय की वेदी पर धर्म और मर्यादा की रक्षा हेतु किया गया संघर्ष ही एक योद्धा के लिए आत्म-कल्याण का सर्वोतम और सर्वाधिक गौरवशाली मार्ग है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

क्या राज्यपाल संवैधानिक मर्यादा से ऊपर हैं?

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी।

जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।

वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सुवेंदु अधिकारी होंगे पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान शाह ने मंच पर सुवेंदु अधिकारी को माला पहनाकर गले लगाया और जीत की बधाई दी।

शपथ ग्रहण समारोह आज : सुवेंदु अधिकारी शनिवार सुबह 10 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सुवेंदु अधिकारी ने इस विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हराकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। इसके अलावा उन्होंने नंदीग्राम सीट से भी लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की।

भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर, ड्रोन निर्माण में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा गूगल : वैष्णव

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर और ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गूगल के अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि कंपनी भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्रों में भी अवसरों का आकलन कर रही है। वैष्णव ने कहा, "गूगल भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर तथा ड्रोन के निर्माण के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल देश में उभरते एआई इकोसिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इसी वर्ष अप्रैल में गूगल ने विशाखापत्तनम में अपने 15 अरब डॉलर के एआई हब की आधारशिला रखी थी। सरकार पहले से ही सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठा रही है। गूगल की संभावित निवेश योजनाओं को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

ईडी ने गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के तीन संस्थापकों को गिरफ्तार किया

एजेंसी। नई दिल्ली

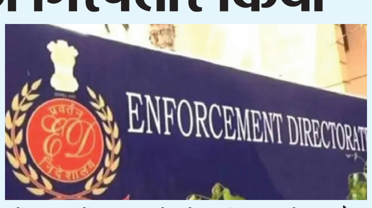

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के तीन संस्थापकों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को धनशोधन निवारण अधिनियम 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है। दीपक सिंह और पृथ्वीराज सिंह को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया और उन्हें बेंगलुरु की अदालत में पेश करने के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल की गई है। विकास तनेजा को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया गया है। ये गिरफ्तारी तब हुई जब केंद्रीय एजेंसी ने कथित धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित कई प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड' और अन्य संबंधित संस्थाओं के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया। ईडी ने एक दिन पहले गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर और कर्नाटक में 17 स्थानों पर छापेमारी भी की थी और कुछ दस्तावेज जब्त किए थे। ईडी के मुताबिक ये प्लेटफॉर्म 'रमीकल्चर', रमीटाइम ऐप आदि जैसे कई ऑनलाइन 'रियल-मनी गेम्स' का संचालन और स्वामित्व रखता है। धोखाधड़ी का शिकार हुए कई लोगों द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारण कंपनी के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज हैं।

देश में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की लगभग 20 फीसदी ऊर्जा हॉर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से होकर गुज़रती है, जिससे यह भारत के लिए बेहद अहम हो जाता है। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 40 फीसदी, एलपीजी का 90 फीसदी और प्राकृतिक गैस का 65 फीसदी हिस्सा मध्य-पूर्व से ही आयात करता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के चलते कच्चे तेल की कीमत लगभग 70 डॉलर से बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जबकि एलपीजी की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। उन्होंने कहा कि तेल विपणन कंपनियों को हो रहे नुकसान के बावजूद, भारत सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती करके एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर, पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देकर और गैस की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करके उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है। सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत में पेट्रोल की कीमतें

लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं। सरकार ने एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित की है, जिससे किसी भी वितरक को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर खाड़ी क्षेत्र के साथ भारत का संपर्क उच्चतम स्तर पर जारी है। विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की यूएई यात्राओं के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 7 मई, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया। भारत ने कतर और सऊदी अरब सहित अन्य खाड़ी साझेदारों के साथ भी संपर्क बनाए रखा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान विदेश सचिव ने यूएई की राज्य मंत्री और भारत के लिए विशेष दूत, रीम अल हाशिमी के साथ बातचीत की और खलदून अल मुबारक से मुलाकात की। चर्चाओं का मुख्य केंद्र व्यापार, निवेश, रक्षा, फिनटेक, स्वास्थ्य सेवा और पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय घटनाक्रम रहे। जायसवाल ने कहा कि उन्होंने मार्टिन ब्रिएन्स के साथ भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय बैठक में भी भाग लिया, जहां तीनों पक्षो ने अपनी साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और निर्धारित समय-सीमाओं के साथ एक व्यवस्थित रूपरेखा पर सहमति व्यक्त की।

ममता बनर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल से 'मुख्यमंत्री' शब्द हटाने को तैयार नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गई हैं। इस समय वह मुख्यमंत्री पद पर नहीं हैं, लेकिन उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अब भी उनकी पहचान "मुख्यमंत्री" के रूप में दर्ज है। इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्यपाल के निर्देश और विधानसभा भंग होने के बाद भी ममता बनर्जी का सोशल मीडिया पर "मुख्यमंत्री" पद का उल्लेख बनाए रखना संवैधानिक मर्यादाओं पर सवाल खड़ा करता है। इसे लेकर विभिन्न राजनीतिक वर्गों में चर्चा तेज हो गई है। ममता बनर्जी पहले ही चुनाव परिणामों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि यह जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश का परिणाम है और वह चुनाव नहीं हारी हैं। इसी कारण उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से भी इनकार किया था। हालांकि संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्यकाल समाप्त होने के बाद गुरुवार को राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश जारी किया।

विधानसभा चुनावों के इंडेक्स कार्ड्स
सांख्यिकीय रिपोर्ट्स रिकॉर्ड समय में प्रकाशित

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में खत्म हुए विधानसभा चुनाव और पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए रिकॉर्ड समय में इंडेक्स कार्ड्स और सांख्यिकीय रिपोर्ट्स प्रकाशित कर दी है। इंडेक्स कार्ड्स में उम्मीदवारों, मतदाताओं, डाले गए मतों, गिने गए मतों, पार्टीवार और प्रत्याशीवार मतों का विस्तृत विवरण दिया गया है। आयोग ने बताया कि सभी 830 विधानसभा क्षेत्रों के लिए यह डेटा उपलब्ध करा दिया गया है। पश्चिम बंगाल की 144-फलता विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान 21 मई को होगा। आयोग ने बताया कि चुनाव परिणाम घोषित होने के 72 घंटे के भीतर इंडेक्स कार्ड्स और सांख्यिकीय रिपोर्ट्स जारी करना आयोग की पारदर्शिता और दक्षता का नया उदाहरण है। पहले यह प्रक्रिया कई सप्ताह से महीनों तक चलती थी क्योंकि फील्ड अधिकारियों द्वारा डेटा मैन्युअल रूप से भरा जाता था। ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म के आने से यह कार्य डिजिटल रूप से तेज हो गया है।

अमित शाह रविवार को देश में बाढ़ प्रबंधन, लू से निपटने की तैयारियों की करेंगे समीक्षा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 10 मई को यहां एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें देश में संभावित बाढ़ और लू (हीटवेव) की स्थिति से निपटने की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। गृह मंत्रालय के शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार बैठक में केंद्र सरकार की एजेंसियों की तैयारियों, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, संसाधनों की तैनाती और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम रखने के उपायों पर विशेष जोर रहेगा। बयान में कहा गया कि केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए 'समग्र

सरकार' और 'समग्र समाज' दृष्टिकोण अपनाया है। इसके तहत केंद्र और राज्य सरकारों की एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को सशक्त बनाने तथा प्राकृतिक आपदाओं के दौरान 'शून्य जनहानि' के लक्ष्य पर लगातार ध्यान केंद्रित किया गया है। बैठक में देशभर में चलाए जा रहे दीर्घकालिक बाढ़ शमन उपायों की प्रगति की भी समीक्षा होगी। इसमें महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सुरक्षा, नदी प्रबंधन पहल और पूर्वानुमान संबंधी वैज्ञानिक प्रगति शामिल हैं। गृहमंत्री पिछले वर्ष आयोजित समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की स्थिति का भी आकलन करेंगे ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके और विभिन्न गतिविधियों के समन्वित क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके। बैठक के प्रमुख एजेंडों में उन्नत तकनीक और रीयल-टाइम डेटा के जरिए बाढ़ पूर्वानुमान एवं प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना, बाढ़ और लू जैसी एक साथ आने वाली आपदाओं से निपटने की तैयारी बढ़ाना, सामुदायिक जागरूकता एवं आपदा-रोधी क्षमता निर्माण कार्यक्रम तथा राहत सामग्री और चिकित्सा तैयारियों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करना शामिल है।

भ्रष्टाचार पर प्रहार, दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा

एजेंसी। बीजिंग

चीन ने अपने सैन्य तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई करते हुए दो पूर्व रक्षा मंत्रियों, वेई फेंगहे और ली शांगफू को सस्पेंडेड डेथ सेंटेंस (स्थगित मृत्युदंड) की सजा सुनाई है। सैन्य अदालत द्वारा सुनाया गया यह फैसला न केवल चीन के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक बड़ा संदेश माना जा रहा है। इन दोनों शीर्ष अधिकारियों को भ्रष्टाचार का दोषी पाते हुए मौत की सजा दी गई है, हालांकि कानून के प्रावधानों के तहत उन्हें दो साल की मोहलत दी जाएगी। यदि इस अवधि के दौरान उनका आचरण संतोषजनक रहता है और कोई नया गंभीर अपराध सामने नहीं आता, तो इस सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाएगा, जिसमें पैरोल की कोई गुंजाइश नहीं होगी। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट

किया है कि वेई फेंगहे को भारी रिश्वत लेने का दोषी पाया गया है, जबकि ली शांगफू पर रिश्वत लेने और देने, दोनों ही संगीन आरोप साबित हुए हैं। सजा के साथ ही इन दोनों पूर्व मंत्रियों के राजनीतिक अधिकार जीवनभर के लिए समाप्त कर दिए गए हैं और उनकी समस्त निजी संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया गया है। वेई फेंगहे 2018 से 2023 तक इस महत्वपूर्ण पद पर रहे, वहीं ली शांगफू का कार्यकाल बेहद संक्षिप्त रहा और वे मार्च से अक्टूबर 2023 तक ही अपनी सेवाएं दे पाए। इन दोनों ही अधिकारियों को जून 2024 में कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर उनके सैन्य पद और रैंक पहले ही छीन लिए गए थे। यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा 2012 से चलाई जा रही भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का हिस्सा है। सैन्य कूटनीति और रक्षा उपकरणों की खरीद में अनियमितताओं के इन आरोपों ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के राजनीतिक वातावरण को गंभीर रूप से प्रभावित किया था। आधिकारिक बयानों में कहा गया कि इन अधिकारियों ने पार्टी के विश्वास को तोड़ा और सैन्य अनुशासन को दूषित किया। चीन में रक्षा मंत्री का पद मुख्य रूप से कूटनीतिक होता है, जबकि वास्तविक सैन्य शक्ति सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पास होती है, जिसकी कमान स्वयं राष्ट्रपति के हाथों में है। इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि चीन अपने सैन्य ढांचे में किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है, चाहे दोषी कितने ही ऊंचे पद पर क्यों न बैठा हो।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगा पारा, कई राज्यों में ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्रों में शुक्रवार को आसमान साफ रहा। यहां का अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे मौसम में कल के मुकाबले आज हल्की गर्मी रही। वहीं, देश के अन्य हिस्सों जैसे मध्य प्रदेश और झारखंड में ओलावृष्टि, जबकि गुजरात में लू चलने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग केन्द्र के अनुसार शनिवार को भी मौसम साफ रहने के आसार हैं। यहां का अधिकतम तापमान 35-37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा का रूख भी दक्षिण-पूर्व दिशा से उत्तर पूर्व दिशा की ओर 10-15 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। रविवार को भी यही स्थिति रहेगी और अधिकतम तापमान 37-39 जबति न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। इसके अलावा, राजधानी में 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इस दौरान, शाम से हवाओं की गति 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक रहने के आसार हैं। हवा की रफ्तार 50 किमी तक जा सकती है। अधिकतम तापमान 37-39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी ने नीति आयोग के वाइस चेयरमैन का कार्यभार संभाला

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। जाने-माने अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी ने नीति आयोग के वाइस चेयरमैन का पदभार शुक्रवार को संभाल लिया। लाहिड़ी ने सुमन बेरी की जगह ली है। आर्थिक नीति और सार्वजनिक वित्त के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाले अशोक कुमार लाहिड़ी भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और पंद्रहवें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में कार्य किया है। नीति आयोग ने अशोक कुमार लाहिड़ी का उपाध्यक्ष के रूप में स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा जगत, सार्वजनिक संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में उनका अनुभव, साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में नीति आयोग के प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करेगा। आयोग ने उनसे भारत के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक नीतिगत पहलों को समर्थन देने में योगदान की अपेक्षा की है।

भारत-सिंगापुर आतंकवाद और सीमा पार अपराध के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर सहमत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारत और सिंगापुर ने आतंकवाद तथा सीमा पार अपराध के खिलाफ सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों की कड़ी निंदा करते हुए इसके खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति की बात दोहराई। भारत और सिंगापुर के बीच आतंकवाद एवं सीमा-पार अपराध से निपटने पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पांचवीं बैठक 7 मई को नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आतंकवाद-रोधी) डॉ. विनोद बहादे और सिंगापुर के गृह मंत्रालय में उप सचिव (नीति) नियम शिह चुन ने की। संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भारत और सिंगापुर ने रणनीतिक साझेदार के तौर पर आतंकवाद का मुकाबला करने में द्विपक्षीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। जेडब्ल्यूजी ने बैठक में सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की स्पष्ट और कड़े शब्दों में निंदा की और आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहनशीलता' के सिद्धांत की पुनः पुष्टि की। जेडब्ल्यूजी ने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले और 10 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के लाल किला क्षेत्र के निकट हुई आतंकवादी घटना की भी कड़े शब्दों में निंदा की। जेडब्ल्यूजी इस बात पर सहमत हुआ कि आतंकवाद का सामना करने के लिए निरंतर और व्यापक स्तर पर समन्वित कार्रवाई आवश्यक है। इस संदर्भ में दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र, आसियान, वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) तथा अन्य बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। संयुक्त कार्य समूह ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति द्वारा सूचीबद्ध आतंकवादियों और आतंकी समूहों का मुकाबला करने में सहयोग पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों ने सीमा पार के खतरों से निपटने के लिए सूचना साझाकरण को और प्रभावी तथा समयबद्ध बनाने की आवश्यकता पर सहमति जताई। बैठक में आतंकवादियों की भर्ती, आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही, कट्टरपंथ, आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे पारंपरिक एवं उभरते खतरों पर भी चर्चा हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक आतंकवाद के खतरे के आकलन, साइबर अपराधों, नशीले पदार्थों की तस्करी और सीमा पार संगठित अपराध तथा आतंकवाद के गठजोड़ पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया और इन चुनौतियों से निपटने में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल ने भारत के एंटी-स्कैम सेंटर का भी दौरा किया। दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी और धोखाधड़ी से निपटने में वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर दिया तथा सूचना आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम प्रथाओं के साझा उपयोग के माध्यम से सहयोग मजबूत करने की इच्छा जताई।

इंदौर–खंडवा राजमार्ग परियोजना 88 फीसदी पूरी, इस साल शुरू होगा यातायात

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बन रहे इंदौर-खंडवा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तेजाजी नगर–बलवाड़ा खंड पर चार लेन सड़क और तीन सुरंगों का निर्माण 88 प्रतिशत पूरा हो चुका है। सरकार इसे इसी साल यातायात के लिए खोलने की तैयारी में है। इस परियोजना से घाटी क्षेत्रों में यात्रा समय घटकर मात्र एक घंटे रह जाएगा और दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर भेरूघाट (575 मीटर), बैग्राम (480 मीटर) और चोरल घाट (550 मीटर) सुरंगों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इन सुरंगों से घाटी मार्गों के प्रमुख ब्लैक स्पॉट स्थायी रूप से दूर होंगे और यात्रियों को सुरक्षित व सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा। स्थानीय किसानों और चालकों ने कहा कि पहले मंडियों तक माल पहुंचाना जोखिम भरा था और संकरी दो-लेन सड़क पर हर यात्रा तनावपूर्ण होती थी। अब चौड़ी सड़क और सुरंगों से जाम और दुर्घटनाओं की समस्या दूर होगी। मंत्रालय ने बताया कि इस परियोजना पर 924.44 करोड़ रुपये की लागत आ रही है और इसके पूरा होने पर इंदौर से ओंकारेश्वर की यात्रा समय 2–3 घंटे से घटकर केवल 1 घंटे रह जाएगा। परियोजना में पर्यावरण और सुरक्षा उपायों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आधुनिक जल निकासी प्रणाली, क्रैश बैरियर, सड़क सुरक्षा संकेतक, वर्षा जल प्रबंधन और हरित पट्टी के लिए वृक्षारोपण जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंत्रालय का कहना है कि यह कॉरिडोर न केवल धार्मिक यात्राओं बल्कि व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति देगा।

किसानों को राहत दिलाने के लिए कृषि मंत्रालय ने नेफेड- एनसीसीएफ को खरीद के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ)और राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (एनएएफईडी) को लक्ष्य आधारित खरीद के निर्देश दिए। शुक्रवार को इस विषय को लेकर कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नेफेड और एनसीसीएफ के साथ उपार्जन संबंधी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने दोनों एजेंसियो को किसानों के हितों को देखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां बाजार भाव एमएसपी से नीचे हैं, वहां किसानों से प्रभावी और समयबद्ध खरीद हर हाल में सुनिश्चित की जाए। चौहान ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान को उसकी उपज का न्यायसंगत मूल्य दिलाना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस लक्ष्य में किसी भी स्तर की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में शिवराज सिंह ने कहा कि राज्यवार आवंटन के साथ-साथ जिला-स्तर पर उत्पादन, संभावित आवक और 25 प्रतिशत खरीद क्षमता का आकलन कर ठोस कार्ययोजना बनाई जाए ताकि उपार्जन का लक्ष्य वास्तविक जमीन पर हासिल हो सके। चौहान ने दलहन-तिलहन, विशेषकर चना, मसूर, उड़द और सरसों जैसी फसलों पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि जहां किसानों को एमएसपी से कम दाम मिल रहे हैं, वहां खरीद में तेजी लाना अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों को राज्यों में वास्तविक बाजार भाव की ताजा जानकारी जुटाने के निर्देश दिए। चौहान ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य के निर्देश प्रक्रियाएं या स्थानीय प्रशासनिक अड़चनें किसानों से खरीद में बाधा बन रही हैं तो केंद्र सरकार सक्रिय समन्वय के जरिए उनका समाधान सुनिश्चित करेगी। चौहान ने कहा कि दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने का राष्ट्रीय लक्ष्य तभी सफल होगा, जब किसानों को यह भरोसा होगा कि जरूरत पड़ने पर उनकी उपज एमएसपी पर खरीदी जाएगी। चौहान ने नेफेड और एनसीसीएफ को निर्देशित किया कि वे उपार्जन को लेकर बेहतर काम करें, समस्याओं की सूची बनाकर समाधान सहित प्रस्तुत करें और शेष अवधि में खरीद प्रदर्शन में ठोस सुधार दिखाएं।

केजरीवाल और अन्य को दिल्ली आबकारी घोटाला से बरी किए जाने को लेकर सुनवाई टली

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और 22 आरोपितों को ट्रायल कोर्ट से बरी करने के आदेश को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के चुनौती दिए जाने पर आज सुनवाई टाल दी। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 11 मई को करने का आदेश दिया। इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने सुनवाई का बहिष्कार करने का फैसला किया है। तीनों ने न तो खुद और न ही किसी वकील के जरिये कोई दलील रखने की बात कही है। तीनों ने उच्च न्यायालय को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर भरोसा नहीं है, इसलिए वे सत्याग्रह करेंगे। इसके बाद जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने 5 मई को कहा था कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने कोर्ट की सुनवाई का बहिष्कार करने का फैसला किया है, ऐसे में तीन एमिकस क्यूरी नियुक्त किए जाएंगे। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने 20 अप्रैल को दिल्ली आबकारी मामले में बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से हटने की अरविंद केजरीवाल की मांग को खारिज कर दी थी। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा था कि मैं इस आरोप से प्रभावित हुए बिना ही अपना फैसला सुनाउंगी, ठीक वैसे ही जैसा कि मैं ने अपने 34 वर्षों के न्यायिक करियर में हमेशा किया है। कोर्ट ने कहा था कि न्यायपालिका और संस्था को ट्रायल पर रखा गया। मैंने विवाद को सुलझाने का मार्ग चुना है। न्यायपालिका की शक्ति, आरोपों पर निर्णय लेने के उसके दृढ़ संकल्प में निहित है। मैंने ये आदेश बिना किसी चीज से प्रभावित हुए लिखा है। जस्टिस शर्मा ने कहा था कि मैं हिन्दी में आदेश जारी करुंगी क्योंकि दलीलें भी हिन्दी में दी गयीं। कोर्ट ने कहा कि मैं वो उदाहरण दे रही हूं जहां पर अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेताओं को पहली डेट पर राहत दी गई। कोर्ट ने एक आदेश का हवाला दिया जिसमें केजरीवाल के पक्ष में एकतरफा आदेश जारी किया गया। दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच पर सवाल उठाते हुए सुनवाई से हटने की मांग की थी। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग करते हुए कहा था कि जिस तरह से अब तक इस मामले में अदालती कार्यवाही हुई है, उससे उन्हें निष्पक्ष न्याय की उम्मीद नहीं दिख रही है। केजरीवाल ने कहा था कि बिना पक्ष सुने सेशन कोर्ट के आदेश को गलत बताया। उन्होंने कहा था कि 9 मार्च को जब उच्च न्यायालय में पहली सुनवाई हुई, तो वहां 23 में से एक भी आरोपित मौजूद नहीं था। कोर्ट में सिर्फ सीबीआई मौजूद थी। लेकिन जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने पहली ही सुनवाई में बिना दूसरी पक्ष की दलीलें सुने यह कह दिया कि 'प्रथम दृष्टया' सेशंस कोर्ट का आदेश गलत लगता है। बिना रिकॉर्ड मंगवाए और बिना दलीलें सुने कोर्ट इस नतीजे पर कैसे पहुंच गया।

आआपा की सरकार पर भाजपा का आरोप, पंजाब को दोनों हाथों से लूटा जा रहा है

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पंजाब की राजनीति में भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था को लेकर बयानबाज़ी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने आम आदमी पार्टी (आआपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में साफ-सुथरी राजनीति का दावा करने वाली पार्टी की सच्चाई अब सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग ईमानदारी के प्रमाणपत्र बांटते थे, आज उनके करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर छापे पड़ रहे हैं। तरुण चुग ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि पंजाब की जनता ने बदलाव के नाम पर आआपा को मौका दिया था लेकिन आज राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।राज्य में माफिया मजबूत हुए हैं और भ्रष्टाचार पूरे सिस्टम में फैल चुका है। उन्होंने कहा कि, "लूट की स्थिति ऐसी है कि दिल्ली से भेजे गए लोग और पंजाब से चुने गए नेता, दोनों इसमें शामिल हैं। पंजाब को दोनों हाथों से लूटा जा रहा है।"एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की वंदे मातरम पर टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, "वंदे मातरम 150 वर्षों से अधिक समय से स्वतंत्रता सेनानियों की घोषणा है। यह अंग्रेजों के विरुद्ध एक नारे के समान था। जो लोग वंदे मातरम के विरोधी हैं, वे बौद्धिक रूप से बेईमान हैं। वंदे मातरम का जाप करना केवल एक सरकारी आदेश नहीं है बल्कि भारत के नागरिकों के लिए गर्व का विषय है।

भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान एमएसएमई सहयोग को बढ़ावा देने की तैयारी में

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने के दौरान भारत 2026 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को नई दिशा देने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही भारत ब्रिक्स पार्टनरशिप ऑन न्यू इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (पार्ट एनआईआर) के तहत एमएसएमई सहयोग के लिए एक नए एजेंडे का भी नेतृत्व कर रहा है।भारत की अध्यक्षता के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को तीन एसएमई कार्य समूह बैठकों और पहली ब्रिक्स एमएसएमई फोरम आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई है। पहली एसएमई कार्य समूह बैठक 24 अप्रैल को ऑनलाइन हुई, जिसका मुख्य विषय एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुंच रहा। इस वेबिनार में ब्रिक्स सदस्य देशों ने सक्रिय भागीदारी की। यह मंच एमएसएमई वित्तपोषण से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर अनुभव और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम बना। चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि एमएसएमई आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी विकास के प्रमुख आधार हैं। साथ ही समय पर और पर्याप्त ऋण उपलब्ध न होने जैसी लगातार बनी रहने वाली चुनौतियों को भी रेखांकित किया गया। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि ऋण अंतर को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है। इसमें वित्तीय समावेशन बढ़ाना, वित्तीय साक्षरता में सुधार करना और एमएसएमई की ऋण क्षमता को मजबूत बनाना शामिल है। बैठक में यह भी कहा गया कि एमएसएमई वित्त को मजबूत करने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने, नवाचार-आधारित वित्तीय तंत्र को बढ़ावा देने और सहयोगी इकोसिस्टम तैयार करने की आवश्यकता है। चर्चा के दौरान समान विकास संबंधी चुनौयों का सामना कर रहे ब्रिक्स देशों के बीच नीतिगत अनुभवों का आदान-प्रदान भी हुआ। साथ ही सभी देशों ने मजबूत, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एमएसएमई क्षेत्र विकसित करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।भारत पहले ही जापान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौते कर चुका है, जिनका उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाकर व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। एमएसएमई क्षेत्र भारत के विनिर्माण और औद्योगिक विकास की रीढ़ माना जाता है। सरकार समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दे रही है।

राहुल गांधी बोले- कोई और पार्टी भाजपा को नहीं हरा सकती, सिर्फ कांग्रेस ही उसे हराएगी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश में कोई और पार्टी भाजपा को नहीं हरा सकती, सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही भाजपा एवं नरेंद्र मोदी को हरा सकती है और हराएगी। हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित सद्भाव यात्रा में शामिल होने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा द्वारा चुनाव आयोग की मदद से चुनावों में की जा रही धांधली पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों में चोरी कर जीत हासिल कर रही है; उसने हरियाणा के साथ ही महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव में भी चोरी की है। भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत कर चुनाव चोरी करने की व्यवस्था बना ली है; मतदाता सूची से लाखों लोगों के नाम काटे जा रहे हैं और जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और पूरी नौकरशाही भाजपा के नियंत्रण में काम कर रही है। भाजपा सोचती है कि उसका शासन नहीं जाएगा, लेकिन उसके जाने का समय आने वाला है। जनता समझ गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनाव चोरी कर रहे हैं; वह यह भी समझ गई है कि देश की संपत्ति अडानी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों के हवाले की जा रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहे कितने भी चुनाव चोरी कर लें, आज जनता में मोदी सरकार के खिलाफ भारी गुस्सा है और अंत में उन्हें जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा और वे टिक नहीं पाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि देश में सिर्फ दो राजनीतिक विचारधाराएं हैं - एक तरफ आरएसएस की नफरत एवं बंटवारे की विचारधारा और दूसरी तरफ कांग्रेस की मोहब्बत एवं एकता की विचारधारा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों का डर दिखाती है, लेकिन कांग्रेस इनसे नहीं डरती। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस भाजपा को हराएगी। इसके बाद नरेंद्र मोदी पर कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि उन्होंने देश के लोकतांत्रिक सिस्टम और बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर के संविधान पर आक्रमण किया है।

आदिवासियों की जमीन कब्जाने की कोशिशों के खिलाफ किसान सभा ने किया जबरदस्त प्रदर्शन, प्रशासन ने दिया जांच का निर्देश

लोकतंत्र की शान

कोरबा। कोरबा जिले में भैसमा तहसील अंतर्गत ग्राम पतरापाली के आदिवासी किसानों के जमीन को कुछ अज्ञात गैर आदिवासियों द्वारा बेनामी खरीद के जरिए कब्जा करने की कोशिश के खिलाफ गांव के लोगों ने आज यहां तानसेन चौक से रैली निकालकर जिलाधीश कार्यालय पर जबरदस्त प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा ने किया। डिप्टी कलेक्टर टी आर भारद्वाज ने किसानों की समस्या को सुना और ज्ञापन लेते हुए जांच करने हेतु गांव में शिविर लगाने का आश्वासन दिया।उल्लेखनीय है कि ग्राम पतरापाली एक आदिवासी बहुल गांव हैं और लगभग सभी आदिवासी या तो निरक्षर है या बहुत कम पढ़ें लिखे हैं। उन्हें भूमि कानूनों के संबंध में उनकी जानकारी बहुत कम है, जिसका फायदा, उनकी जमीन को हड़पने के लिए, प्रभावशाली तबके के कई गैर-आदिवासी लोग उठा रहे हैं। किसान सभा के इस प्रदर्शन में शामिल घसिया राम पिता दौलतराम, पुनिराम पिता करन सिंह, राजेश पिता गेदाराम, तिजराम पिता घसीराम, भूखनराम पिता लोहरी, मिलक राम पिता उजित राम, धनीराम पिता भालेराम, जीवन सिंह पिता घसिया राम, चमरा सिंह पिता नेतराम, महेत्तर पिता तिजराम आदि ने बताया कि वे पतरापाली गांव के निवासी हैं। खेती-किसानी ही इनकी आजीविका का साधन है और अपने पूर्वजों से प्राप्त जमीन पर वे खेती कर रहे हैं। वे अपनी जमीन पर आज दिनांक तक काबिज है। लेकिन पिछले एक माह से शहरों के कुछ गैर-आदिवासी लोग उनके गांवों में आकर उनकी कृषि भूमि को अपना बता रहे हैं। वे इस जमीन के पंजीयन के कुछ कागजात भी दिखा रहे हैं और उन पर अपनी जमीन छोड़ने का दबाव बना रहे है या फिर उन्हें बेदखल करने की धमकी दे रहे हैं। वे इन लोगों को पहचानते तक नहीं है। इन ग्रामीणों ने बताया कि ये बाहरी लोग वर्ष 1990 में ही उनके पूर्वजों से उनकी जमीन खरीदने का दावा कर रहे हैं। मामला तब गंभीर हो गया, जब ऐसे ही एक मामले में एक गैर-आदिवासी ने सगे भाईयों मंगल सिंह और भूखन लाल पिता लोहरी को उसकी जमीन से बेदखल करके और उस जमीन पर घेरा डालकर कब्जा कर लिया। इसके बाद सभी आदिवासी अपनी जमीन से जबरन बेदखली की आशंका से डरे हुए हैं। छत्तीसगढ़ किसान सभा के संयुक्त सचिव प्रशांत झा, जिला सचिव दीपक साहू, सीटू के राज्य महासचिव एस एन बनर्जी आदि ने बताया कि ऐसा ही एक प्रकरण वर्ष 1999 में सामने आया था, जिसमें न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कोरबा ने यह पाया था कि गैर कानूनी तरीके से आदिवासी भूमि को गैर आदिवासी को अंतरित किया गया था। माननीय न्यायालय ने प्रकरण क्रमांक 8/अ-23/99-2000 के जरिए पीड़ित आदिवासी के पक्ष में फैसला सुनाया था। उन्होंने कहा कि सभी आदिवासियों के प्रकरण लगभग ऐसे ही हैं, जिनमें उनकी भूमि का 40-50 साल पहले विक्रय होना बताया जा रहा है, जबकि भूमि पर मूल भूस्वामी अभी तक काबिज है। ये सभी भूमि अंतरण बेनामी है और अवैध है, क्योंकि आदिवासी भूमि का किसी भी गैर-आदिवासी को अंतरण नहीं हो सकता। प्रशासन ने शिकायतों की जांच करने के लिए गांव में शिविर लगाकर भूमि स्वामित्व का निराकरण करने के लिए संबंधित तहसीलदार और पटवारी को निर्देश दिए हैं। किसान सभा और सीटू ने आदिवासी किसानों के पक्ष में सकारात्मक कार्यवाही न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने आशंका जताई है कि केवल पतरापाली ही नहीं, आसपास के अन्य गांवों में भी आदिवासियों की जमीन हड़पने के लिए ऐसे बेनामी फर्जी सौदे हुए होंगे, इसलिए इस क्षेत्र के गांवों में शिविर लगाकर वास्तविक भूमि स्वामित्व का सत्यापन किए जाने की जरूरत है।

बांग्लादेश पहुंचे इंडियन ओशन शिप का शानदार स्वागत

लोकतंत्र की शान

चट्टोग्राम। भारतीय नौसेना का इंडियन ओशन शिप (आईओएस) 'सागर', जिसे आईएनएस 'सुनयना' के रूप में तैनात किया गया है, अपनी क्षेत्रीय समुद्री यात्रा के दौरान बांग्लादेश की चट्टोग्राम बंदरगाह पहुंचा। यह दौरा भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने वाली 'महासागर' पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे दोनों देशों के रिश्तों एवं आपसी विश्वास को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करना और आपसी समझ को बढ़ाना है। इस मिशन में 16 मित्र देशों के नौसैनिक शामिल हैं, जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' (पूरी दुनिया एक परिवार है) के आदर्श को साझा करते हैं। बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग ने 8 मई को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा यह उच्च-स्तरीय बंदरगाह दौरा, जो 'आईओएस सागर 2026' बहुराष्ट्रीय तैनाती का एक हिस्सा है, भारतीय नौसेना और बांग्लादेशी नौसेना के बीच अटूट साझेदारी का प्रमाण है। यह दोनों पड़ोसी देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। बांग्लादेश के जलक्षेत्र में इस जहाज का स्वागत बीएनएस अली हैदर (एफ17) द्वारा किया गया और उसे एस्कॉर्ट करते हुए बंदरगाह तक पहुंचाया गया। भारतीय उच्चायोग ने कहा आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर कई उच्च-स्तरीय कूटनीतिक मुलाकातें करेंगे, जिनमें चट्टोग्राम नौसेना क्षेत्र के कमांडर, बांग्लादेश नौसेना बेड़े के कमांडर और क्षेत्र अधीक्षक डॉकयार्ड (एएसडी) से मुलाकातें शामिल हैं। शाम को बांग्लादेश सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति में एक स्वागत समारोह आयोजित होगा। इसके अलावा, चट्टोग्राम में इस सफल बंदरगाह दौरे के समापन का जश्न मनाने के लिए, अगली शाम (9 मई) आईओएस सागर की ओर से एक 'डेक रिसेप्शन' आयोजित किया जाएगा। उच्चायोग के अनुसार, आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर, समुद्री लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए चट्टोग्राम बंदरगाह प्राधिकरण (सीपीए) के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। इसके बाद जहाजों का आपसी दौरा होगा, जिसमें बांग्लादेश नौसेना के कर्मी और आईओएस सागर के अंतरराष्ट्रीय क्रू सदस्य पेशेवर 'क्रॉस-डेक विजिट' में हिस्सा लेंगे। क्रू सदस्य बीएनएस इस्सा खान प्रशिक्षण परिसर और बांग्लादेश नौसेना अकादमी का दौरा भी करेंगे, जिससे नौसेना प्रशिक्षण की कार्यप्रणालियों की गहरी समझ विकसित होगी और आपसी क्षमता निर्माण के अवसर मिलेंगे। इसके अलावा दोनों नौसेनाओं के बीच एक मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच भी होगा, जो दोनों पक्षों के बीच साझा 'एस्प्रिट डी कॉर्प्स' (आपसी भाईचारे) को उजागर करेगा। बता दें कि आईओएस सागर 2026 मिशन के दूसरे संस्करण की शुरुआत 2 अप्रैल को मुंबई से हुई थी। चट्टोग्राम पहुंचने से पहले यह जहाज माले (मालदीव), फुकेत (थाईलैंड), जकार्ता (इंडोनेशिया), सिंगापुर और यंगून (म्यांमार) जैसे बंदरगाहों का दौरा कर चुका है। यह मिशन मई के मध्य तक कोच्चि पहुंचकर समाप्त होगा।

यौन अपराधों पर एनसीडब्ल्यू सख्त, पोक्सो मामले में पैरोल न देने की सिफारिश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ गंभीर अपराधों में दोषी ठहराए गए अपराधियों को पैरोल दिए जाने पर गहरी चिंता जताई है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि जल्द ही केंद्र सरकार को सिफारिश भेज कर रेप, गैंगरेप, गंभीर यौन उत्पीड़न और पोक्सो जैसे मामलों में दोषियों को पैरोल न देने की मांगी जाएगी।अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा कि नसरापुर-भोर की घटना ने महिलाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे मामलों में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। आयोग ने न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए केन्द्र सरकार को कई अहम सुझाव दिए हैं जिसमें महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों के लिए स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना, जांच और ट्रायल में कानूनी विशेषज्ञों की मदद से बेहतर समन्वय, सबूतों की जांच, गवाहों के बयान और जांच प्रक्रिया को तय समय में पूरा करने के लिए अलग तंत्र, रेप और पोक्सो मामलों के आदतन अपराधियों पर कड़ी निगरानी शामिल है। आयोग ने यह भी कहा कि पोक्सो और अन्य यौन अपराधों में बार-बार शामिल होने वाले आरोपितों पर पुलिस की लगातार निगरानी होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर अच्छे व्यवहार के लिए बांड भरवाने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। आयोग ने जांच, सबूतों की जांच और गवाहों के बयान की प्रक्रिया को समयबद्ध और अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया है। आयोग ने कहा कि प्रस्तावित बदलावों का मकसद महिलाओं और बच्चों के लिए ज्यादा सुरक्षित माहौल बनाना और पीड़ितों को तेजी से न्याय दिलाना है।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद की आर्ट ऑफ ब्रास फैक्ट्री में भीषण आगः फायर ब्रिगेड की मुस्तैदी से बड़ा हादसा टला, जनहानि नहीं

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा,मुरादाबाद के थाना मैनाठेर क्षेत्र स्थित 'आर्ट ऑफ ब्रास' फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई और मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। फायर स्टेशन हैलेट रोड को शुक्रवार सुबह 09:35 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर सर्विस यूनिट सक्रिय हो गई और दमकल की गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं। सुबह 10:00 बजे तक दमकल की टीमें मौकेपर पहुंच चुकी थीं। मुरादाबाद के मुख्य अग्निशमन अधिकारी के कुशल नेतृत्व में अग्निशमन अभियान चलाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल चार दमकल गाड़ियां आग बुझाने के लिए लगाई गईं। फायर यूनिट ने तत्परता दिखाते हुए दो होज़ रील लाइनें बिछाकर आग पर पानी की बौछार की, जिससे कुछ ही देर में आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। घटनास्थल पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी के साथ-साथ क्षेत्राधिकारी बिलारी, अग्निशमन अधिकारी और थाना मैनाठेर के प्रभारी निरीक्षक भी दल-बल के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और राहत कार्य की निगरानी की।

लालपुर हमीर स्थित इस 'आर्ट ऑफ ब्रास' फैक्ट्री के पार्टनर-मोहम्मद आदिल, मोहम्मद आरिफ और मोहम्मद जुबैर हैं। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़े आर्थिक नुकसान से बचा जा सका, जिसका आकलन अभी शेष है।

लखनऊ में मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला ने किया महिला सशक्तिकरण का आह्वान

लोकतंत्र की शान, ब्यूरो अवनीत कुमार शर्मा, लखनऊ। राजधानी राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला ने मिशन शक्ति/महिला शक्ति करण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं युवतियों को संबोधित करते हुए रोशनी शुक्ला ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और आत्मसम्मान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और समाज को नई दिशा दे रही हैं, ऐसे में जरूरी है कि हर महिला शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए। उन्होंने आगे कहा कि महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब महिलाओं को समान अवसर मिले और समाज में उनकी भागीदारी मजबूत हो। रोशनी शुक्ला ने मिशन शक्ति अभियान के तहत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं से लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। जनसभा के दौरान महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। आयोजन में उपस्थित लोगों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर अभियान को सराहा और मिशन शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। रिपोर्ट – अखंड भारत लाइव

जनगणना-2027 अभियान को सफल बनाने हेतु चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने संभाली कमान

लोकतंत्र की शान, संभल/सिरसी नगर पंचायत में चेयमैन क़ौसर अब्बास के नेतृत्व में भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से नगर पंचायत सिरसी के कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर नगरवासियों को जागरूक किया गया। इस दौरान लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की गई। चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश के विकास की मजबूत नींव है। प्रत्येक नागरिक की सही जानकारी सरकार की योजनाओं, सुविधाओं और विकास कार्यों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग करें ताकि क्षेत्र और देश के विकास की योजनाएं प्रभावी ढंग से संचालित हो सकें। अभियान के दौरान नगर पंचायत कर्मचारियों ने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास में सहायक सिद्ध होते हैं। नगर पंचायत की इस पहल को नगरवासियों द्वारा सराहा गया तथा लोगों ने जनगणना कार्य में सहयोग का भरोसा दिलाया।

सांसद एवं कांग्रेस नेत्री श्रीमती ओमवती जी का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद ,नगीना/बिजनौर। जनपद बिजनौर के नगर नगीना निवासी सेवानिवृत्त आईएएस एवं पूर्व चकबंदी आयुक्त श्री आर.के. सिंह की धर्मपत्नी, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती ओमवती के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। श्रीमती ओमवती लंबे समय तक जनसेवा और राजनीति से जुड़ी रहीं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में क्षेत्र की जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाया और समाज के हर वर्ग के लिए कार्य किया। उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक जगत से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया। शोक संदेशों का सिलसिला लगातार जारी है। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि देते हुए कहा गया कि "ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें। मेरी ओर से दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि।"

कवि दिल की ओर से हुआ शानदार महफिल ए मुशायरे का आयोजन, शायरो ने पढे उम्दा कलाम

» मुशायरे में अर्शिया अंजुम को आईसीएसई बोर्ड कक्षा 10 की परीक्षा में 94 % अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर की अदबी संस्था कवि दिल की ओर से बीती रात एक महफिल ए मुशायरे का आयोजन किया गया। मुशायरे में शायर आसिफ मिर्ज़ा की बेटी अर्शिया अंजुम को आईसीएसई बोर्ड कक्षा 10 की परीक्षा में 94 % अंक प्राप्त करने पर संस्था गीत ग़ज़ल संगम व बज्म ए जिगर की ओर से प्रतीक चिन्ह देकर शायरो की ओर से सम्मानित किया गया। मंगलवार की रात्रि को मौहल्ला मौहल्ला कलालान में शायर आसिफ मिर्ज़ा के आवास पर एक शानदार महफिल ए मुशायरे का आयोजन किया गया। जिस में स्थानीय शायरो ने उम्दा कलाम पेश कर खूब वाहवाही हासिल। इस मौके पर शायर आसिफ मिर्ज़ा की बेटी अर्शिया अंजुम को आईसीएसई बोर्ड कक्षा 10 की परीक्षा में 94 % अंक प्राप्त करने पर संस्था गीत ग़ज़ल संगम व बज्म ए जिगर की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। महफिल ए मुशायरे का आग़ाज़ शायर डॉक्टर तैय्यब जमाल ने नात ए पाक करते हुए कहा.... रोज़ ए मेहशर आप के हाथों मिले, मैं हूँ तालिब हौज़ ए कौसर जाम का। ग़ज़ल के दौर में शायर शहबाज़ अख्तर ने उम्दा ग़ज़ल पेश करते हुए कहा..... आये है बच्चों के हाथों में मोबाइल जब से, कोई आता ही नहीं तब से खिलौने वाला। नसीम नजीबाबादी ने कहा..... तआल्लुक को बचाना चाहिए था, तुम्हें रिशता निभाना चाहिए था। अना जब छोड़ दी थी उसने अपनी, तुम्हें भी मान जाना चाहिए था। मंडावली नयागांव से तशरीफ़ लाये शायर मास्टर आरिज आरजू ने कहा..... मैं हूं खामोश तबीयत मुझे गूंगा ना समझ, बोलने वाले पे ग़ालिब है मेरा चुप रहना। शायर अकरम जलालाबादी ने मरहूम शायर शेर हुसैन उर्फी को खिराज़ ए अकीदत पेश करते हुए कहा,.... तू मौहब्बत का अलमबरदार था, याद आयेगा हमें तू गाम गाम। शायर वाहिद जमाल कितरपुरी ने कहा.... दलील देगा कोई और साफ बोलेगा, उसे तो जिद है वो मेरे खिलाफ बोलेंगा। ग़ज़ल के दौर में शायर तैय्यब जमाल ने कहा.. चांद पर वो ज़रुर जा पहुँचा.साथ लेकिन ग़ुरुर जा पहुंचा।। बन गयी ये ही वजहे बर्बादी, ख़ाकसारी से दूर जा पहुंचा। मेज़बान शायर आसिफ मिर्ज़ा ने उम्दा ग़ज़ल पढते हुए कहा.... मैं हूं खामोश तबीयत मुझे गूंगा ना समझ, बोलने वाले पे ग़ालिब है मेरा चुप रहना। शायर शादाब ज़फ़र शादाब ने उम्दा कलाम पेश करते हुए कहा...... पैसे जो उनकी जेब में दो चार हो गये, कल तक जो भीख मंगे थे ज़रदार हो गये। शायर डॉक्टर नसीम मुल्तानी ने खूब कलाम पेश करते हुए कहा...खुद खरीदी है मुफलिसी मैने, ज़र्फ बेचू तो खरीदार बहुत। शायर मौसूफ अहमद वासिफ ने अपने शेरो पर खूब दाद पाई उन्होने कहा......वो आशिक ए रसूल था हद से गुज़र गया, जैसे से ही पहुंचा रोज़े पे जाते ही मर गया। इस के अलावा डॉक्टर आफताब नोमानी, डॉक्टर इल्यास अंसारी, कमर कल्हेड़वी, डॉक्टर रईस भारती हाफिज़ शादाब मुल्तानी, सय्यद अहमद, उबैद नजीबाबादी, हाजी बहार आलम जलालाबादी आदि ने खूबसूरत कलाम पेश करते हुए खूब दाद हासिल की। इस मौके पर हुसैन अहमद, नदीम सलमानी, अबरार सलमानी,एमडी खान, नफीस सैफी, साजिद सलमानी, सूफीयान मुल्तानी सामे की हैसियत से महफिल ए मुशायरे में मौजूद रहे। मुशायरे की सदारत डाक्टर रईस भारती ने की व निजामत नसीम नजीबाबादी ने की।

लखनऊ में मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला ने किया महिला सशक्तिकरण का आह्वान

लोकतंत्र की शान, ब्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

लखनऊ। राजधानी राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी शुक्ला ने मिशन शक्ति/महिला शक्ति करण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं युवतियों को संबोधित करते हुए रोशनी शुक्ला ने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और आत्मसम्मान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और समाज को नई दिशा दे रही हैं, ऐसे में जरूरी है कि हर महिला शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए। उन्होंने आगे कहा कि महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब महिलाओं को समान अवसर मिले और समाज में उनकी भागीदारी मजबूत हो। रोशनी शुक्ला ने मिशन शक्ति अभियान के तहत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं से लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। जनसभा के दौरान महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। आयोजन में उपस्थित लोगों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर अभियान को सराहा और मिशन शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। रिपोर्ट – अखंड भारत लाइव

तरबूज खाने के बाद युवती की मौत परिवार के तीन लोगों की बिगड़ी तबीयत

» कुछ दिन पहले ही तय हुआ था निकाह, गांव में पसरा मातम

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

बिजनौर। जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव शेरनगर नरैनी में तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के तीन लोगों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। गंभीर हालत में परिजन उन्हें उपचार के लिए निजी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे, जहां से युवती को अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवती ने रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार गांव निवासी डॉ. जिया उल रहमान ने बुधवार दोपहर अपनी पत्नी और बेटी मुस्कान के साथ तरबूज खाया था। बताया जा रहा है कि तरबूज खाने के कुछ ही देर बाद तीनों को उल्टी, घबराहट और तबीयत खराब होने की शिकायत होने लगी। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें बिजनौर के एक निजी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने मुस्कान की गंभीर हालत को देखते हुए तुरंत अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। मुस्कान की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि मुस्कान का कुछ दिन पहले ही निकाह तय हुआ था और परिवार शादी की तैयारियों में जुटा हुआ था। अचानक हुई इस घटना ने पूरे परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। वहीं डॉ. जिया उल रहमान और उनकी पत्नी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि तरबूज में कोई जहरीला पदार्थ था या फिर मौत की वजह कुछ और रही। हालांकि अभी तक युवती का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मामले की जानकारी लेकर जांच कराई जाएगी। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हैं ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी राष्ट्रीय अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला सेवा संस्कार और समर्पण का जीवंत उदाहरण - राष्ट्रीय युवा वाहिनी

लोकतंत्र की शान, ब्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

लखनऊ/ राजधानी/राष्ट्रीय युवा वाहिनी एवं राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, राष्ट्रभक्ति और मानवता का एक मजबूत परिवार बन चुका है। यहाँ केवल बातें नहीं होतीं, बल्कि हर दिन धरातल पर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के बीच एक नई मिसाल प्रस्तुत की जाती है। इसी क्रम में संगठन के तत्वावधान में आज लखनऊ में एक जरूरतमंद बेटी के विवाह का पावन आयोजन संपन्न कराया जा रहा है। वहीं आगामी 10 तारीख को सीतापुर रामपुर मथुरा तथा 11 तारीख को जलालपुर सीतापुर में भी जरूरतमंद बेटियों के विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में संगठन द्वारा बेटियों को आवश्यक घरेलू सामग्री, आशीर्वाद एवं हर संभव सहयोग प्रदान कर उनके नए जीवन की सुखद शुरुआत में भागीदारी निभाई जा रही है। संगठन का उद्देश्य केवल सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करना नहीं, बल्कि समाज के कमजोर, असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़े होकर मानव सेवा को सर्वोपरि रखना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष देव प्रकाश शुक्ला जी के नेतृत्व में संगठन लगातार समाज सेवा के कार्यों को नई दिशा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि –"राष्ट्रीय युवा वाहिनी में जुड़ा प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता हमारे परिवार का हिस्सा है। हम अपने हर पदाधिकारी की शिक्षा से लेकर शादी तक की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प रखते हैं। बस आवश्यकता है ईमानदारी, समर्पण और लगन के साथ संगठन एवं राष्ट्रहित में कार्य करने की। जो भी समाजसेवी या शुभचिंतक सहयोग करना चाहते हैं, वे अपनी इच्छा अनुसार इस पुण्य कार्य में सहभागी बन सकते हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि –"बेटी केवल एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी होती है। जरूरतमंद बेटियों की शादी में सहयोग करना सबसे बड़ा पुण्य और मानवता की सच्ची सेवा है।" राष्ट्रीय युवा वाहिनी का संकल्प केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि संगठन का उद्देश्य भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र के रूप में स्थापित करना तथा शिक्षा के साथ संस्कार को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना है। आज जब समाज में कई लोग केवल बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, तब राष्ट्रीय युवा वाहिनी कर्म, सेवा और समर्पण की मिसाल बनकर कार्य कर रही है। जो लोग संगठन की कार्यशैली को देखना चाहते हैं, वे स्वयं आकर इन सेवा कार्यों को देख सकते हैं — यहाँ हर कार्य पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मानवता के भाव से किया जाता है। बातों से नहीं, कार्यों से पहचान बनती है...सेवा ही संगठन की असली ताकत है... शिक्षा से संस्कार, संस्कार से राष्ट्र निर्माण... मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा

मुरादाबाद जिलाधिकारी एवं रामपुर जिलाधिकारी ने प्रदेश में जनगणना प्रथम चरण शुरू हो चुका है

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद उत्तर प्रदेश / जिला अधिकारी डॉ राजेंद्र पेसिया एवं रामपुर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने जनपदवासियों से जनगणना को लेकर अपील करते हुए कहा कि प्रदेश में जनगणना का प्रथम चरण शुरू हो चुका है। 7 मई से हाउस लिस्टिंग एवं गणना का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि जनगणना पोर्टल पर जाकर अपनी सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें, ताकि जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो।

18 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत परिजनों ने लगाया गला दबाकर हत्या का आरोप

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

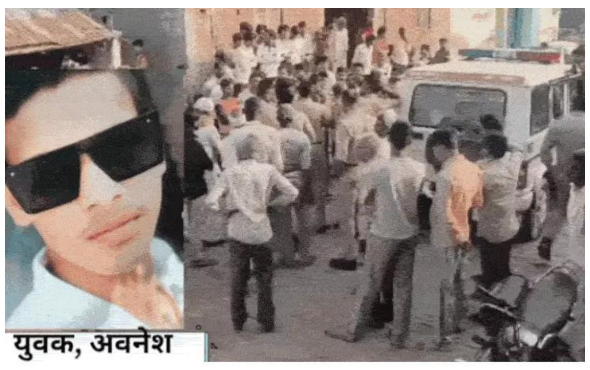

युवक, अवनेश

हसनपुर/आदमपुरः बताते चलें कि आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव दढ़ियाल में गुरुवार देर रात किसी समय एक 18 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई जिससे ने पूरे इलाके में सनसनी फैल गई, युवक का शव उसकी चक्की की पर चारपाई पर पड़ा मिला। परिजनों ने गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप गांव के ही कुछ लोगों पर लगाया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बता दे की गांव निवासी सियाराम का 18 वर्षीय पुत्र अवनेश रात में अपनी चक्की पर सोने गया था। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे उसके पिता रोजाना की तरह चक्की चलाने पहुंचे तो बेटे को चारपाई पर बेसुध पड़ा देखा। आवाज लगाने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो परिवार के लोगों को बुलाया गया। पास जाकर देखा तो अवनेश की मौत हो चुकी थी। घटना की खबर मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। बता दे कि मृतक की चक्की उसके घर से करीब 150 मीटर दूर स्थित है। अवनेश मोटरसाइकिल मिस्त्री का काम करता था और साथ ही अपनी चक्की भी चलाता था। मेहनत-मजदूरी कर परिवार का हाथ बंटाने वाले बेटे की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। मां छाया देवी का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक सात भाई-बहनों में चौथे नंबर का था।परिजनों के अनुसार तीन दिन पहले गांव के ही एक युवक से अवनेश की कहासुनी और मारपीट हुई थी। मृतक के भाई दिनेश ने आरोप लगाया कि 6 मई को दढ़ियाल चौकी में मामले की तहरीर दी गई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उनका कहना है कि अगर समय रहते पुलिस कार्रवाई कर देती तो आज उनका भाई जिंदा होता। घटना के बाद आदमपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के घर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा है।

बरेलीः गन्ना किसानों का बकाया 210 करोड़ दिलाने सड़क पर उतरे पूर्व मंत्री भगवत शरण, चौकी चौराहे पर किया जोरदार प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश)बरेली -: गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर आज पूर्व मंत्री भगवत शरण शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के नेताओं और किसानों के साथ सड़क पर उतर आए। चौकी चौराहेw पर धरना-प्रदर्शन के बाद उन्होंने मंडलायुक्त को ज्ञापन सौंपकर बकाया भुगतान और अन्य मांगों का जल्द निस्तारण कराने की मांग की।

72 करोड़ और 138 करोड़ का बकाया, किसानों की हालत बदहाल-भगवत शरण ने ज्ञापन में नवाबगंज और बहेड़ी क्षेत्र के किसानों का कई सालों से रुका हुआ भुगतान दिलाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि ओसवाल ओवरसीज लिमिटेड नवाबगंज चीनी मिल पर किसानों का करीब 72 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं बहेड़ी चीनी मिल पर लगभग 138 करोड़ रुपये किसानों का बकाया है। भगवत शरण ने कहा कि भुगतान न होने से किसान आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। खेती, बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। किसानों ने बंद पड़ी नवाबगंज चीनी मिल को दोबारा शुरू कराने की भी मांग की।आवारा पशु, राशन भ्रष्टाचार और गैस आपूर्ति पर भी उठाए सवाल प्रदर्शन के दौरान किसानों ने आवारा पशुओं से फसल को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि किसान रात-दिन खेतों की रखवाली कर रहे हैं। ज्ञापन में रसोई गैस की अनियमित आपूर्ति, राशन वितरण में भ्रष्टाचार, गरीबों से अवैध वसूली, पेयजल योजना के तहत खोदी गई सड़कों की मरम्मत और सरकारी अस्पतालों में बेहतर इलाज की मांग भी शामिल रही। गांवों में मृतक खातेदारों की विरासत दर्ज कराने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग भी उठाई गई।

सपा नेताओं और बड़ी संख्या में किसान रहे मौजूद-इस धरना-प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव, महानगर अध्यक्ष शमीम सुल्तानी, डॉ अनीस बेग , प्रदीप, संजीव यादव, योगेश यादव समेत पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

घायल की इलाज के दौरान मौत, अस्पताल पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने लगाया जाम

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले में सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। गुरुवार को शव के पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजनों ने सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के अंधराबर चौक के पास सड़क जाम कर दी, जिससे यातायात बाधित हो गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना बीते देर रात हुई जब सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के अंधराबर चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें एक निजी पिकअप वाहन से सहदेई स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सहदेई स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया था। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही बड़े भाई सुरेश साहनी की मौत हो गई। छोटे भाई असेशर साहनी की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। मृतक सुरेश साहनी के घर में इस घटना के बाद मातम पसरा हुआ है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि सहदेई बुजुर्ग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा चुकी है और स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही आम बात है। इस घटना ने एक बार फिर बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत उजागर की है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और स्थिति को शांत किया। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

मुजफ्फरपुर में जल्द खुलेंगे आधुनिक मछली बाजार, चार जगह पर मिलेंगी ताजी-जिंदा फिश

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मछली प्रेमियों के लिए जल्द ही आधुनिक मछली बाजारों की शुरुआत होगी। शहर में मछली कारोबार को व्यवस्थित और आधुनिक बनाने के लिए चार प्रमुख स्थानों पर नए बाजार विकसित किए जाएंगे। भगवानपुर चौक, नीम चौक, लक्ष्मी चौक और संजय सिनेमा चौक पर भूमि चिन्हित कर ली गई है, और निर्माण काम शीघ्र शुरू होगा। इस योजना से उन मछली विक्रेताओं को लाभ मिलेगा जो अब तक सड़क किनारे या खुले में मछली बेचते थे। नए बाजारों में उन्हें स्थायी दुकानें और निर्धारित स्थान मिलेंगे, जिससे उनका व्यवसाय सुरक्षित और व्यवस्थित हो सकेगा। इन बाजारों में सुधा आउटलेट की तर्ज पर आधुनिक डिजाइन वाले स्टॉलों में मछलियां बेची जाएंगी। ग्राहकों को ताजी और जीवित मछली चुनने का अवसर मिलेगा, क्योंकि मछलियों को जिंदा रखने की विशेष व्यवस्था होगी। साथ ही, सही वजन और उचित कीमत की गारंटी भी दी जाएगी। नए बाजारों में पक्के प्लेटफॉर्म, साफ-सफाई, बिजली और पानी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे गर्मी और बारिश में मछली खराब होने की समस्या कम होगी, और व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। इन बाजारों में केवल कच्ची मछली ही नहीं, बल्कि विभिन्न प्रकार के फिश प्रोडक्ट भी उपलब्ध होंगे। इनमें फिश कटलेट, मछली कबाब, फिश फिंगर्स, झींगा फ्राई और मछली के अंडों से बना विशेष व्यंजन 'गबोली डांगर' जैसे आइटम शामिल होंगे। जिला मत्स्य पदाधिकारी रणधीर कुमार ने बताया कि यह परियोजना राज्य सरकार की 'सात निश्चय-3' के तहत मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना का हिस्सा है। पूरे बिहार में कुल 100 आधुनिक मछली बाजार विकसित किए जाने हैं। पहले चरण में मुजफ्फरपुर सहित 9 जिलों में 30 बाजारों का निर्माण किया जाएगा।

चलती बस में छात्रा से छेड़खानी, एफआईआर दर्ज, पटना से एग्जाम देकर मुजफ्फरपुर लौट रही थी

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। पटना से परीक्षा देकर लौट रही एक छात्रा के साथ चलती बस में छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि बस के कंडक्टर ने सफर के दौरान छात्रा के साथ बदसलूकी की और कई बार 'बैड टच' किया। करीब ढाई घंटे तक छात्रा भय और तनाव में सफर करती रही। मुजफ्फरपुर पहुंचने के बाद उसने हिम्मत जुटाकर परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, पीड़िता मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। बुधवार को वह पटना परीक्षा देने गई थी। परीक्षा खत्म होने के बाद शाम में एक निजी बस से मुजफ्फरपुर लौट रही थी। इसी दौरान वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के पास बस के कंडक्टर ने उसके साथ बदतमीजी शुरू कर दीं। छात्रा ने विरोध किया, लेकिन आरोपी कंडक्टर नहीं माना और पूरे रास्ते उसे परेशान करता रहा। आरोप है कि सफर के दौरान उसने कई बार छात्रा को गलत तरीके से छूने की कोशिश की, जिससे वह पूरी तरह सहम गई। मुजफ्फरपुर बस स्टैंड पहुंचने के बाद छात्रा किसी तरह घर पहुंचकर उसने परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद देर रात परिजन छात्रा को लेकर सदर थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। घटना वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र की होने के कारण मुजफ्फरपुर सदर थाना पुलिस ने तकनीकी प्रक्रिया के तहत 'जीरो FIR' दर्ज की है। इसके बाद मामले को आगे की कार्रवाई के लिए सराय थाना भेज दिया गया है। सदर थानाध्यक्ष नवलेश कुमार आजाद ने बताया कि चलती बस में छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। छात्रा के बयान के आधार पर जीरो FIR दर्ज कर ली गई है और केस को सराय थाना स्थानांतरित किया गया है। पुलिस ने छात्रा द्वारा उपलब्ध कराए गए बस के विवरण और कंडक्टर के मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली है। बताया जा रहा है कि आरोपी पटना के बड़ी पहाड़ी इलाके का रहने वाला है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की तैयारी में जुट गई है।

'पहले रेप की कोशिश, अब गोली मारने की धमकी दे रहे', पूरा परिवार डरा हुआ है

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। "मैंने अपने कोच के खिलाफ डेढ़ महीने पहले रेप की कोशिश करने का केस दर्ज कराया था। अब कोच मुझे फोन कर धमकी दे रहा है कि जब भी मैं तुम्हें देखूंगा, तो गोली मार दिया। कोच को पुलिस ने अभी तक अरेस्ट नहीं किया है। अब पुलिस भी केस को मैनेज करने की कोशिश कर रही है।" दरअसल, मुजफ्फरपुर की एक 17 साल के नाबालिग रग्बी खिलाड़ी ने अपने ही कोच पर यौन उत्पीड़न, जबरन दुष्कर्म करने की कोशिश और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। एफआईआर दर्ज होने के डेढ़ महीने बाद पीड़िता का कहना है कि पहले कोच ट्रेनिंग के दौरान छेड़छाड़ करता था, करियर बर्बाद करने की धमकी देकर दबाव बनाता था। अब केस दर्ज होने के बाद उसे गोली मारने की धमकी दी जा रही है। मामला दर्ज होने के करीब डेढ़ महीने बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पीड़िता ने बताया कि जब वह रग्बी ट्रेनिंग के लिए मैदान जाती थी, तब आरोपी कोच राहुल कुमार महतो उसके साथ गलत हरकत करता था। वह अकेले में मिलने के लिए दबाव बनाता था और जबरन गलत काम करने की कोशिश करता था। विरोध करने पर टीम से निकालने और खेल करियर खत्म करने की धमकी देता था। 23 मार्च को पीड़िता ने पटना के कंकड़बाग थाने में जीरो FIR दर्ज कराई थी। बाद में मामला मुजफ्फरपुर के तुर्की थाना ट्रांसफर किया गया, जहां 25 मार्च को केस दर्ज हुआ। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को ऑडियो सबूत भी दिए हैं, जिसमें कोच उससे अश्लील बातें करता सुनाई दे रहा है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी सिर्फ उसके साथ ही नहीं, बल्कि अन्य महिला खिलाड़ियों के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करता था। कई लड़कियों ने यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और अवैध उगाही को लेकर शिकायत की थी। डर और दबाव के कारण करीब 10-15 लड़कियों ने ट्रेनिंग के लिए मैदान आना तक छोड़ दिया। नाबालिग खिलाड़ी बिहार टीम की ओर से दो बार नेशनल स्तर पर रग्बी खेल चुकी है। लेकिन कोच की प्रताड़ना के कारण वह लगातार मानसिक तनाव में थी। मामले में नया मोड़ तब आया जब पीड़िता ने आरोप लगाया कि केस दर्ज होने के बाद अब आरोपी उसे गोली मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता का कहना है कि जिन लड़कियों ने उसके समर्थन में शिकायत की थी, उन्हें भी अलग-अलग माध्यमों से डराया जा रहा है। आरोपी कहता है कि वह पीड़िता को गोली मार देगा।

सहरसा में सिटी गैस सेवा की समीक्षा PNG कनेक्शन को लेकर प्रशासन सख्त

लोकतंत्र की शान

सहरसा |मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा जिले में सिटी गैस सेवा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के लिए आज जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गैस आपूर्ति व्यवस्था, क्रियान्वयन की प्रगति तथा आगे की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं हितधारकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार सहित शहरी क्षेत्र के होटल संचालक, गैस एजेंसी संचालक तथा गैस उपयोग करने वाले प्रमुख सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधि—जेल सुपरिंटेंडेंट, जीविका के जिला प्रोग्राम प्रबंधक एवं जिला कल्याण पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि सहरसा शहरी क्षेत्र में अब सभी कमर्शियल गैस उपभोक्ताओं के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) कनेक्शन लेना अनिवार्य/अपेक्षित किया जा रहा है। इसके तहत इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित पीएनजी सेवा को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यदि किसी क्षेत्र में अभी तक पीएनजी पाइपलाइन नहीं पहुंची है, तो सरकार की योजना के तहत अगले एक महीने के भीतर इसे घर-घर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि शहरी क्षेत्र में सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों को अब कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे, बल्कि पाइपलाइन के माध्यम से सीधे गैस आपूर्ति की जाएगी। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के पीएच डिवीजन द्वारा 9 मई 2026 से एक विशेष अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत इच्छुक उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार पीएनजी कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। यह बैठक विशेष रूप से पीएनजी कनेक्शन के विस्तार और गैस उपभोग करने वाले सरकारी संस्थानों एवं होटल संचालकों के साथ समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

प्राचीन देवी मंदिर में चोरी, मूर्ति की सोने की नथिया ले उड़े चोर

मंदिर परिसर में की तोड़फोड़, पुलिसिंग पर उठे सवाल

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के देवकुली गांव स्थित एक प्राचीन देवी मंदिर में देर रात चोरी की वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात चोरों ने NH-30 किनारे स्थित मंदिर का ताला काटकर देवी मां की सोने की नथिया चोरी कर ली और मंदिर के अंदर तोड़फोड़ भी की। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह तब हुई, जब मंदिर के पुजारी और कमेटी सदस्य पूजा के लिए पहुंचे। मंदिर का मुख्य गेट खुला मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। मां की मूर्ति का मुकुट भी अस्त-व्यस्त था, जबकि सोने की नथिया गायब थी।

50 हजार से अधिक की बताई जा रही कीमतः मंदिर कमेटी सदस्य विनय कुमार सिंह ने बताया कि चोरी हुई सोने की नथिया की कीमत 50 हजार रुपये से अधिक है। उन्होंने बताया कि पास के एक अन्य मंदिर में भी चोरों ने ताला काटकर चोरी की कोशिश की, लेकिन वहां कोई कीमती सामान नहीं मिलने से वे सफल नहीं हो सके। कमेटी सदस्यों के अनुसार, चोरी की घटना रात 1 बजे से 4 बजे के बीच हुई होगी। उन्होंने इलाके में पुलिस गश्त की कमी पर सवाल उठाते हुए कहा कि NH रोड पर लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मंदिर कमेटी की ओर से अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में आवेदन दिया गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और चोरों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सबका सम्मान–जीवन आसान" कार्यक्रम में जनता से संवाद, 8 मामलों की हुई सुनवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः "सबका सम्मान–जीवन आसान" (Ease of Living) के तहत आज प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम में कुल आठ मामलों की सुनवाई की गई। यह कार्यक्रम सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत पूर्व निर्धारित समयानुसार संपन्न हुआ। प्रमंडल अंतर्गत जिलों से प्राप्त कुल आठ आवेदनों (सहरसाः 07 एवं मधेपुराः 01) पर समेकित रूप से विचार किया गया। सभी मामलों के त्वरित एवं सम्यक निवारण के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान सत्तर कटैया निवासी श्रीमती फुलिया देवी एवं श्री भरत चौधरी ने क्रमशः पूर्व निर्गत आदेश के अनुपालन नहीं होने तथा भूमि विवाद से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। इन मामलों के समाधान हेतु संबंधित अंचलाधिकारी को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया गया। वहीं, सहरसा निवासी श्रीमती अनिता टेकरीवाल द्वारा प्रस्तुत आवेदन के निष्पादन के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, सहरसा को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर आयुक्त के सचिव श्री दिनेशलाल दास सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना रहा।

अंडरपास निर्माण की धीमी प्रगति पर डीएम सख्त, एक माह में कार्य पूर्ण करने का निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने आज राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 107 पर बैजनाथपुर में निर्माणाधीन अंडरपास के सर्विस रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की और संबंधित क्रियान्वयन एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के लिए ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह कार्य जनसुविधा से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया कि अंडरपास से जुड़े सभी लंबित कार्यों को आगामी एक माह के भीतर हर हाल में पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कार्य की प्रगति को गति देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर आज से कल तक जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से कार्य में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने की बात कही। इस अवसर पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री अभिनव भास्कर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मिथिला की ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहरः सहरसा के कहरा गांव में दुर्लभ पांडुलिपियों का भंडार मिला

लोकतंत्र की शान

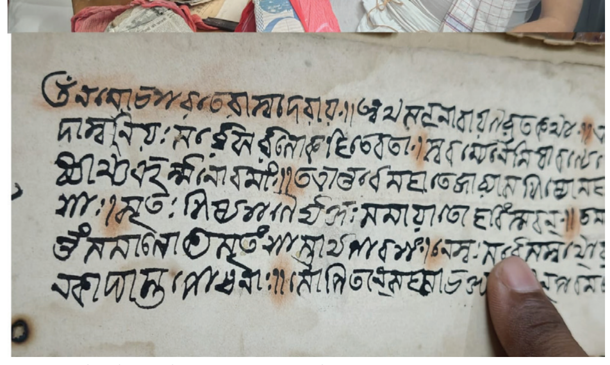

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः भारतीय ज्ञान परंपरा में मिथिला क्षेत्र की बौद्धिक सोच, दक्षता और उसकी मीमांसा का व्यापक महत्व रहा है। इस परंपरा की जीवंत झलक सहरसा जिले के कहरा गांव में देखने को मिली, जहां दुर्लभ पांडुलिपियों का एक समृद्ध संग्रह सामने आया है। बुधवार को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञान भारतम मिशन परियोजना के अंतर्गत जिला पदाधिकारी श्री दीपेश कुमार के निर्देशन में जिले में व्यापक स्तर पर पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य किया गया। यह सर्वेक्षण जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्रीमती स्नेहा झा के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ दल द्वारा सहरसा नगर निगम क्षेत्र से सटे कहरा गांव में विशेष रूप से किया गया। सर्वेक्षण के दौरान 73 वर्षीय पंडित रमेश मिश्र के पैतृक आवास पर पीढ़ियों से संजोकर रखी गई दुर्लभ पांडुलिपियों को देखकर दल के सदस्य आश्चर्यचकित रह गए। यहां से लगभग 250 अति प्राचीन और महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का संकलन किया गया, जो विभिन्न विषयों पर आधारित हैं। मिथिलाक्षर और देवनागरी लिपि में लिखित ये पांडुलिपियां कर्मकांड, ज्योतिष और पुराण से संबंधित हैं। पंडित रमेश मिश्र, जो स्वयं उच्च शिक्षित हैं, ने इन पांडुलिपियों की प्राचीनता और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि यह धरोहर पीढ़ी दर पीढ़ी सुरक्षित रखी गई है। विशेषज्ञ दल में शामिल उग्रतारा भारती मंडन संस्कृत महाविद्यालय, महिषी के वेद संकाय के डॉ. आनंद दत्त झा ने इन पांडुलिपियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह खोज ज्ञान-विरासत को समृद्ध करेगी। इसके अलावा इस दल में प्रो. नंद किशोर चौधरी (प्राचार्य, उग्रतारा भारती मंडन संस्कृत विश्वविद्यालय, महिषी), स्थानीय पत्रकार व स्तंभकार श्री कुंदन मिश्र तथा अमित आनंद भी शामिल रहे।

'जीविका दीदियों को जल्द दूसरी किश्त भेजी जाएगी'

लोकतंत्र की शान , पटना

- **कुर्सी संभालते ही श्रवण कुमार का ऐलान, बोले- 5 किश्तों में होगा 2 लाख का भुगतान**

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार को अपनी कुर्सी संभाली। इस दौरान उन्होंने ऐलान किया, जीविका दीदी को जल्द दूसरी किस्त भेजी जाएगी। तैयारी चल रही है। 5 किश्त में 2 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। अगर कोई जीविका दीदी रोजगार शुरू करना चाहती हैं तो उन्हें 10 लाख रुपए तक की राशि दी जाएगी। श्रवण कुमार ने कहा कि चुनाव से पहले 1.81 करोड़ जीविका दीदियों को पहले किश्त के रूप में 10 हजार रुपए दिए गए हैं।

इधर, मद्य निषेध मंत्री मदन सहनी ने आज अपनी कुर्सी संभाली। उन्होंने कहा, शराबबंदी के बाद भी शराब की बिक्री हो रही है। इसे लेकर सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है। दिलीप जायसवाल ने आज राजस्व विभाग की कमान संभाली। उन्होंने कहा, राजस्व डिपार्टमेंट का काम बहुत चुनौती वाला है। निशांत कुमार ने स्वास्थ्य विभाग की कुर्सी संभाली। उन्होंने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। जब उनसे पूछा गया कि स्वास्थ्य मंत्री का पहला कदम क्या होगा। इस पर उन्होंने कहा, जानूंगा, सीखूंगा फिर करूंगा। मेरे पिताजी ने बिहार को आगे बढ़ाय है। मैं उसे और आगे लेकर जाऊंगा।

बिहार में नई सरकार के गठन के 22 दिन बाद गुरुवार को सम्राट कैबिनेट का विस्तार कर दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग समेत 6 विभाग अपने पास रखे हैं। डिप्टी सीएम बिजेंद्र प्रसाद यादव को वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि विजय कुमार चौधरी जल संसाधन विभाग संभालेंगे।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में 450 बेड का सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक तैयार

लोकतंत्र की शान , पटना

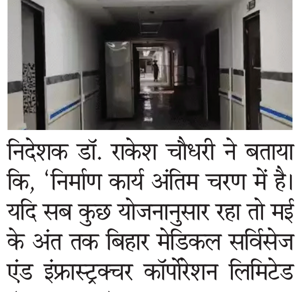

पटना के लोकनायक जयप्रकाश नारायण (LNJP) अस्पताल में 400 बेड का अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और ट्रामा सेंटर लगभग बनकर तैयार है। छह मंजिला यह हाईटेक भवन मई के अंत तक अस्पताल प्रशासन को सौंपे जाने की तैयारी है। इसके शुरू होने से बिहार के मरीजों को स्पाइन, जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स इंजरी जैसे जटिल रोगों के इलाज के लिए अब दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह नया ब्लॉक आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से सुसज्जित होगा। इसमें रोबोटिक और नेविगेशन आधारित स्पाइन सर्जरी, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, एडवांस एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा स्पोर्ट्स इंजरी यूनिट, पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स और रिहैबिलिटेशन सेंटर भी एक ही छत के नीचे मिलेंगे। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश चौधरी ने बताया कि, 'निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यदि सब कुछ योजनानुसार रहा तो मई के अंत तक बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMSICL) द्वारा भवन अस्पताल प्रशासन को सौंप दिया जाएगा। भवन के हस्तांतरण के बाद अगले महीने से मरीजों के लिए नई सुविधाएं चरणबद्ध तरीके से शुरू कर दी जाएंगी।' डॉ. चौधरी के अनुसार, कुछ तकनीकी और इंटीरियर से जुड़े कार्य अभी बाकी हैं, जिन्हें हस्तांतरण के बाद भी पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने इस भवन को बिहार के सरकारी स्वास्थ्य ढांचे के लिए एक मील का पत्थर बताया, जहां मरीजों को कम खर्च में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

आईजीआईएमएस में नर्सिंग छात्राओं का आंदोलन खत्म

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं का आंदोलन 48 बाद आज शुक्रवार को खत्म हो गया। स्वास्थ्य विभाग और संस्थान निदेशक के हस्तक्षेप के बाद छात्राओं ने ये फैसला किया। छात्राओं का एक डेलिगेशन स्वास्थ विभाग के अधिकारी और संस्थान के निदेशक से मिलकर अपनी बातों को उनके समक्ष रखा। बातचीत करीब 1 घंटे तक संस्थान के निदेशक कक्ष में हुई।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं के मुताबिक, बातचीत के दौरान सबसे बड़ा फैसला वाइस प्रिंसिपल रूपाश्री दासगुप्ता को लेकर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी पांचों सेमेस्टर से जुड़े अकादमिक कार्यों से वाइस प्रिंसिपल को तत्काल प्रभाव से अलग कर दिया है। फिलहाल वे किसी भी प्रकार का अकादमिक कार्य नहीं देखेंगी। साथ ही छात्राओं के आरोपों की जांच के लिए टीम गठित किया गया है। छात्राओं का कहना है कि उनकी प्रमुख मांगों पर कार्रवाई का भरोसा मिलने के बाद वे वापस अपने हॉस्टल और कक्षाओं में लौट गई हैं। छात्राओं के प्रदर्शन की वजह से अस्पताल का गेट नहीं खुल पा रहा था। ना तो अस्पताल में एंबुलेंस जा पा रही थी, ना ही डॉक्टर्स की एंट्री हो पा रही थी। छात्राओं का आरोप था कि कॉलेज की प्रिंसिपल अनुजा डैनियल और वाइस प्रिंसिपल रुपाश्री दासगुप्ता उनके साथ मारपीट करती हैं। उन्हें गालियां देती हैं। जानबूझकर उन्हें एग्जाम में फेल किया जाता है। कई बार शिकायत के बाद भी दोनों पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्राएं हाथ में पोस्टर लेकर बैठी थी। जिनपर लिखा था- कॉलेज कोठा नहीं है। छात्राओं ने प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को हाटने की मांग की। महिला टीचर्स भी छात्राओं के समर्थन में उतर गई थीं। आंदोलन कर रही छात्राओं ने बताया, साल 2018 से लंबित स्टाइपेंड की समस्या को भी विभाग ने गंभीरता से लिया है। स्वास्थ्य विभाग ने आश्वासन दिया है कि 7 कार्य दिवसों के अंदर स्टाइपेंड बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद छात्राओं में राहत देखी गई। छात्राओं ने यह भी मुद्दा उठाया था कि पिछले 6 महीनों से कई सेशन समय से पीछे चल रहे हैं, जिससे पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो रहे। इस पर संस्थान प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि सभी सेशन को जल्द ऑन टाइम किया जाएगा ताकि छात्राओं का भविष्य प्रभावित न हो।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने क्या आरोप लगाएः छात्राओं का प्रदर्शन बुधवार यानी 6 मई से चल रहा था। गुरुवार को भी छात्राओं ने कैंपस के अंदर प्रदर्शन किया था। धरने में साल 2021 से 2025 तक की अलग-अलग बैच की लगभग 450 छात्राएं शामिल थीं। छात्राओं ने सुबह से ही कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया और कॉलेज के मुख्य गेट पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। उनके हाथों में 'कॉलेज कोठा नही हैं', "मानसिक प्रताड़ना बंद करो", "हमें न्याय चाहिए" और "प्रिंसिपल व वाइस प्रिंसिपल को बर्खास्त करो" जैसे नारे लिखे पोस्टर और तख्तियां थीं। छात्राओं ने प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

मांगों को लेकर धरना रोष प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान , राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट ,सोनीपतः शुक्रवार को हुड्डा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन नंबर 1266 जिला कमेटी सोनीपत संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच की जिला कमेटी का धरना, रोष प्रदर्शन आज दूसरे दिन भी एचएसवीपी कार्यालय गेट सेक्टर 15 सोनीपत पर जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान श्री सुरेंद्र सिंह तथा जिला चेयर मैन श्री राकेश त्यागी ने की, सभा संचालन राज्य कार्यालय सचिव एवं जिला सलाहकार श्री समेश कुमार व जिला सचिव श्री योग प्रकाश नागर ने किया। प्रदर्शन कार्यों को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आर. के. नागर. तथा श्री सुरेश रोहिल्ला राज्य उप प्रधान और श्री विजेंद्र रिवाल राज्य सलाहकार ने सामूहिक बयान में बताया कि, एचएसवीपी सोनीपत के दोनों डिविजनों में अब तक किसी कार्यकारी अभियंता ने ट्रांसफर होने के बाद ज्वाइनिंग नहीं दी है। इसलिए सोनीपत के रेगुलर और कौशल रोजगार निगम कर्मचारी अथवा कच्चे कर्मचारियों का वेतन नहीं मिला है। सोनीपत डिवीजन में किसी कार्यकारी अभियंता का नहीं होने के कारण आज तक जॉब सिक्योरिटी पत्र जारी करने के लिए नए पद स्वीकृति हेतु मुख्यालय को केस नहीं भेजा गया है। जबकि चीफ सेक्रेट्री हरियाणा और एचआरडी के लेटर दिनांक 06 मई अनुसार 15 मई लास्ट डेट डेडलाइन निश्चित की हुई है। इसलिए दुखी और परेशान कच्चे में पक्के तथा कौशल रोजगार निगम कर्मचारी मजबूर होकर दो दिन से एचएसवीपी कार्यालय गेट सेक्टर 15 सोनीपत पर धरना देकर रोष प्रदर्शन कर रहे हैं। यदि तुरन्त प्रभाव से दोनों मांग 15 मई तक नहीं मानी गई तो एचएसवीपी के सभी सेक्टरों की वाटर सप्लाई और सीवरेज ठप करके हड़ताल की जा सकती है। आज के रोष प्रदर्शन व धरने में निम्नलिखित कर्मचारी उपस्थित रहे, सर्व श्री बिजेंद्र रिवाल, सुरेंद्र सिंह रंगा, ध्रुव कुमार, अश्विनी शर्मा, राकेश चावरिया, अरुण कुमार, जोगेंद्र सिंह, समे सिंह, बंसीलाल व सुनील कुमार, शमशेर सिंह, जगबीर सिंह कुलदीप सिंह, अनिल (उर्फ मोनू) विनोद कुमार, राजकुमार, जीवनलाल, शुभम, जीवनलाल शामिल थे

बरेलीः SSP अनुराग आर्य के नेतृत्व में बरेली पुलिस ने रचा इतिहास,IGRS निस्तारण में लगातार पांचवीं बार पूरे यूपी में नंबर वन

(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश)बरेली -: जन शिकायतों के निस्तारण में बरेली पुलिस ने एक बार फिर प्रदेश में परचम लहराया है। SSP अनुराग आर्य के नेतृत्व में बरेली पुलिस ने IGRS पोर्टल पर अप्रैल माह में पूरे उत्तर प्रदेश में लगातार पांचवीं बार प्रथम स्थान हासिल किया है।

SSP अनुराग आर्य की रणनीति से 28 थाने बने टॉपर, सभी को मिले पूरे 100 अंक-IGRS पोर्टल पर शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निस्तारण के आधार पर मासिक रैंकिंग तय होती है। अप्रैल माह में बरेली पुलिस ने सभी 28 थानों में 100 फीसदी स्कोर हासिल किया। कोतवाली, प्रेमनगर, किला, कैन्ट, सीबीगंज, सुभाषनगर, बारादरी, इज्जतनगर, महिला थाना, मीरगंज, सिरौली, शाही, आंवला, विशारतगंज, भमौरा, अलीगंज, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, भुता, फतेहगंज पश्चिमी, भोजीपुरा, बहेड़ी, शीशगढ़, देवरनियां, शेरगढ़, नवाबगंज, हाफिजगंज और क्योलड़िया थाने टॉप पर रहे।SSP अनुराग आर्य ने बताया कि अप्रैल में बरेली पुलिस को मिले कुल 1154 IGRS संदर्भों का नियत समय से पहले निस्तारण किया गया। किसी भी संदर्भ को डिफॉल्टर नहीं होने दिया गया।

SSP अनुराग आर्य बोले- जनता से संवाद और पारदर्शिता बनी सफलता की कुंजी-उत्तर प्रदेश शासन द्वारा लिए गए फीडबैक में 1154 में से 1111 आवेदकों ने पुलिस कार्रवाई पर संतुष्टि जताई। संतुष्ट फीडबैक का प्रतिशत 96.27 रहा। वहीं 1134 आवेदकों ने बताया कि संबंधित पुलिस अधिकारी ने उनसे सीधे संपर्क किया। इस तरह आवेदकों से संपर्क का प्रतिशत 98.27 रहा। SSP अनुराग आर्य ने कहा कि बरेली पुलिस ने हर शिकायत को गंभीरता से लेते हुए त्वरित संज्ञान, निष्पक्ष जांच, शिकायतकर्ता से संवाद और समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया। नागरिकों की समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की गई।SSP अनुराग आर्य ने पुलिस टीम को दी शुभकामनाएं SSP अनुराग आर्य ने इस उपलब्धि के लिए जनपद के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जनसेवा के प्रति समर्पित रहते हुए शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएगा।

मारपीट के मामलों में 13 आरोपियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज

बहरी थाना पुलिस ने की रिपोर्ट पर कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के बहरी थाना क्षेत्र में मारपीट के तीन मामलों में 13 आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रथम मामले में फरियादी श्यामलाल साहू पिता राजमणि साहू उम्र 18 वर्ष निवासी मलखम ने रिपोर्ट किया कि 11 अप्रैल 2026 को शाम करीब 4 बजे ग्राम गठर्रा में ठाकुरदीन साहू के यहां तिलक कार्यक्रम में गया था। कार्यक्रम के बाद रात करीब 1:30 बजे वह जीजा संजय साहू, बहन श्यामकली साहू एवं दो साल के बच्चे को लेकर वापस घर आ रहे थे। पीछे से लखिया निवासी अखिलेश साहू, संदीप साहू, विकास साहू तथा राहुल साहू बाइक से आए। फरियादी एवं उसके साथी जब मलखम घर के पास पहुंचे तभी आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। लाठी-डंडा राड एवं हांथ झापड़ से आरोपियों ने मारपीट की। आरोपियों के विरुद्ध धारा 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। दूसरे मामले में फरियादी संजय

साहू पिता स्व. रामधनेश साहू उम्र 25 वर्ष निवासी मटिहनी ने रिपोर्ट किया कि 22 अप्रैल को सीधी से वापस आ रहा था। दोपहर करीब 3 बजे केके ढ़ाबा के पहले पहुंचा तो लाला उर्फ रावेन्द्र साहू निवासी कुशियारी एवं प्रदीप साहू, राहुल साहू एवं विकास साहू निवासी लखिया मिले और उसके भाई विकास के विवाद को लेकर गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी गई। बेल्ट, डंडा से काफी बेरहमी के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए घर चले गए। आरोपियों के विरुद्ध धारा 296 (बी), 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक की बेरहमी से पिटाई

पुरानी रंजिश को लेकर शादी का कार्ड बांटने गए संजय साहू पिता स्व. रामधनेश साहू उम्र 28 वर्ष निवासी मटिहनी के साथ आरोपियों द्वारा ग्राम मोडिक्रा में बाइक रोंककर काफी बेरहमी से मारपीट की गई। फरियादी संजय साहू के अनुसार पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी राहुल साहू, लाला उर्फ रावेन्द्र साहू निवासी कुशियारी एवं नर्मदा साहू निवासी मोडका के द्वारा झगड़ा विवाद कर बाइक में तोडफ़ोड़ करने के साथ ही डंडा एवं हांथ-मुक्का से 19 अप्रैल की दोपहर करीब दो बजे मारपीट की। तोडफ़ोड़ से बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। बाइक का करीब 18 हजार रुपए का नुकसान हुआ। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 296(बी) 115(2), 351(3), 324(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

कटनी घंटाघर से उठकर शराब की दुकान अंजुमन स्कूल, शासकीय अस्पताल के पास फूलमाला चौपाटी रोड में खुला कलेक्टर को अंजुमन सदर ने ज्ञापन दिया गया

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : चौपाटी मार्ग पर अंग्रेजी शराब दुकान खोले जाने के खिलाफ अंजूमन इस्लामिया कमेटी ने भी मोर्चा खोल दिया है। कमेटी के सदर हाजी लिप्पू भाई ने मंगलवार को जनसुनवाई में एक शिकायत देकर कहा कि अंजूमन स्कूल के पास शराब की दुकान खोल दी गई है, जिससे आने वाले समय में कई तरह की दिक्कतें होंगी। उनका कहना है कि जिस स्थान पर शराब दुकान खोली गई है, वहां से स्कूल, अस्पताल, स्टेशन के अलावा चौपाटी और फूल मंडी स्थापित है। यहां हर समय महिलाओं और बच्चों का आना-जाना बना रहता है। विदित हो कि घंटाघर के पास स्थित शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग पिछले काफी समय से की जा रही थी। नया ठेका होने के बाद अब इस दुकान को चौपाटी जाने वाले रास्ते पर शिफ्ट कर दिया गया है, जहां हर समय लोगों का आना-जाना लगा रहता है। जहां एक तरफ सरकार स्कूलों, अस्पतालों और

धार्मिक स्थलों के आसपास सुरक्षित और शांत वातावरण बनाने की बात करती है तो वहीं दूसरी तरफ कोतवाली थाना क्षेत्र में जिला अस्पताल के ठीक सामने, सब्जी मंडी और फूल मंडी स्कूल बाजू से शराब की दुकान खोल दी गई है। इस क्षेत्र में रोज़ाना सैकड़ों की संख्या में मरीज, महिलाएं, बुजुर्ग और स्कूल जाने वाले बच्चे गुजरते हैं। स्थानीय लोगों और स्कूल के शिक्षकों ने इस फैसले का कड़ा विरोध किया है। अगर इस तरह संवेदनशील इलाके में शराब दुकान चलेगी, तो बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ेगा। वैसे शराब दुकान खुलने के बाद महिलाओं की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहा है और अस्पताल जैसे स्थान का शांत वातावरण पूरी तरह बिगड़ जाएगा।

"हर वीर जवान हमारा गौरव"- सैनिक सम्मान कार्यक्रमों से गूंजा सीधी

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर सीधी जिला राष्ट्रभक्ति, वीरता और सैनिक सम्मान की भावना से ओतप्रोत नजर आया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रसेवा को नमन करते हुए पूर्व सैनिकों एवं वीर जवानों के परिजनों का सम्मान किया गया। चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम डढ़िया स्थित शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अमर शहीद सुधाकर सिंह बघेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान करते हुए कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिक राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसी क्रम में विधायक रीती पाठक द्वारा गांधी चौराहा सीधी में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय सेना के वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य एवं बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वीर सैनिकों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों का सम्मान कर उनके योगदान को स्मरण किया गया। विधायक रीती पाठक ने कहा कि सैनिकों का

त्याग और समर्पण देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। वहीं कुसमी विकासखंड के गोतरा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक कुंवर सिंह टेकाम द्वारा पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। जनप्रतिनिधियों ने सैनिकों के त्याग, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को देश की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। जिलेभर में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति और सैनिक सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। नागरिकों ने एक स्वर में कहा - "देश की रक्षा में समर्पित हर वीर जवान हमारा गौरव है।" ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने न केवल वीर सैनिकों के सम्मान को नई ऊंचाई दी, बल्कि युवाओं में राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना को भी और अधिक मजबूत किया।

"दुर्घटना में पैर टूटा : मगर नहीं टूटा हौसला"

» कलेक्टर श्री तिवारी ने कर्तव्यपरायण प्रगणक को सराहा, शाल-श्रीफल से किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने दुर्घटना में पैर फ्रैक्चर होने के बाद भी शत-प्रतिशत मकान सूचीकरण और मकान गणना का कार्य पूरा करने वाले देवरी हटाई के प्रगणक श्री सुनीत कुमार पाण्डेय के कर्तव्यपरायणता की सराहना करते हुए शुक्रवार को शाल-श्रीफल प्रदान कर और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री तिवारी ने प्रगणक की कर्तव्यनिष्ठा व इच्छा शक्ति की सराहना करते हुए सभी प्रगणकों से समय-सीमा में जनगणना कार्य संपादित करने की बात कही है। चार्ज अधिकारी और तहसीलदार श्री अतुलेश सिंह मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रगणक से कहते रहे कि पैर फ्रैक्चर की वजह से आपकी ड्यूटी जनगणना से काट देते हैं, इसके बाद श्री पांडेय ने बड़ी विनम्रता से

कहा—"ड्यूटी मत काटिए, मैं अपना काम पूरा करूंगा।" प्लास्टर चढ़ा पैर, हाथ में रजिस्टर और मन में अडिग संकल्प—यही उनकी पहचान बन गई।उनके संकल्प की वजह से मकान सूचीकरण और मकान गणना का सौ-फीसदी काम समय से पहले पूरा हो गया। ऐसे में जब कई लोग इस भीषण गर्मी में गांव- गांव,घर -घर जाकर जनगणना की ड्यूटी से नाम कटवाने का जतन करते हैं, तब इस स्थिति में एचएलबी 105 देवरी हटाई के प्रगणक श्री पांडेय का कार्य के प्रति जोश और जज्बा स्तुत्य है।देवरी हटाई की गलियों में बीते कुछ दिनों से सिर्फ जनगणना का काम ही नहीं चल रहा था, बल्कि एक ऐसे जज़्बे की कहानी भी लिखी जा रही थी, जो हर किसी के लिए प्रेरणा बन गई। एक दिन अचानक जनगणना के लिए मकानों की नंबरिंग का काम करते हुए ही दुर्घटना में श्री पांडेय का पैर फ्रैक्चर हो गया। डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी, परिवार ने चिंता जताईऔर हालात ने जैसे उनके कदमों को थामने की कोशिश की। लेकिन जो व्यक्ति अपने कर्तव्य को ही अपना धर्म मानता हो, उसे भला ये बाधाएं कैसे रोक सकती थीं?

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटलःमुख्यमंत्री डॉ.यादव

» सोने के साथ अब कटनी के बड़वारा में डोलोमाइट के भंडार-ब्लॉक्स आरक्षितरोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का कटनी बनेगा राष्ट्रीय मॉडल

लोकतंत्र किशान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ कटनी जबलपुर मध्य प्रदेश

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक

विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है। कटनी की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे स्थानीय स्तर पर "सुनाही" के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ पर लगभग 3.35 लाख टन से अधिक स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह खोज लगभग 50 वर्षों की लंबी भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया और सर्वेक्षण के बाद की गई है। वर्ष 1974 में प्रारंभ हुए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना व्यक्त की गई थी, जिसे अब वर्ष 2025-26 में अंतिम रूप दिया गया है।

सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार-इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

50 वर्ष के लिए हुआ खनन समझौता-स्वर्ण अयस्क क्षेत्र के विकास के लिए मुंबई की 'प्रॉस्पेक्ट रिसोर्स मिनरल प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी ने 121 करोड़ रूपये से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। लगभग 6.5 हैक्टेयर क्षेत्र में खनन गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश, औद्योगिक गतिविधियाँ और रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल खनिज उत्खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना, वैल्यू एडिशन और रोजगार सृजन सुनिश्चित करना भी है।

सात दिवसीय भागवत कथा का हुआ समापन, भारी संख्या में श्रद्धालु रहे मौजूद

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन हो गया इस अवसर पर मंदिर परिसर में भारी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे, इस बीच वृंदावन से पधारी कथा वाचीका पूज्या सिद्धि पूनम जी ने अपनी मधुर वाणी से भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के 16108 विवाह की दिव्य कथा सुनाई जिसे सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए और पूरे वातावरण में भगवान श्री कृष्ण के जयकारे गूंज उठे, साथ ही सुदामा चरित्र का प्रसंग सुनाया गया जिसमें कथा वाचिका ने बताया कि सच्ची मित्रता और भक्ति के कारण भगवान श्री कृष्ण ने अपने मित्र सुदामा के दुखों का अंत किया इस मार्मिक प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भावुक हो उठे एवं कथा के अंतिम चरण में भगवान श्री कृष्ण के सद्दाम

स्वधाम गमन और राजा परीक्षित की मुक्ति एवं परमधाम प्रताप की कथा सुनाई गई, वही सातों दिवस क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने सारी संख्या में भाग लिया और पूरी भक्ति के साथ कथा सुनी,अंतिम दिवस भी भारी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे, इस मौके पर मुख्य रूप से संदीप अग्रवाल मेडिकल वाले, पुनीत अग्रवाल, आचल अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, उमा अग्रवाल, वीना गुप्ता, गिरजा शंकर अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, कविता शर्मा, सुनीता शर्मा, अनुपम अग्रवाल, सतवीर गिरी, पप्पू गिरी, पंडित महेश शर्मा, देवेंद्र शास्त्री, संजीव शर्मा, दामोदर शर्मा, उमेश शर्मा आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे 1

अधिकारियों की अदूरदर्शिता का दंश भुगत रहे जिले भर के उपभोक्ता

» 14 घंटे से 4 गांवों की बिजली सप्लाई ठप्प, जन जीवन पर पड़ा असर

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले में आंधी-तूफान का कहर करीब एक सप्ताह से बरप रहा है। आंधी से सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित है। विद्युत पोल एवं विद्युत लाइनों के टूटने से ग्रामीण क्षेत्रों में कई दिन सुधार में लग जाते हैं। सुधार होते ही फिर आंधी-तूफान आया तो बिजली आपूर्ति कई दिनों के लिए ठप्प हो जाती है। कुछ ऐसा ही मामला जिले के रामपुर नैकिन अंचल के ग्राम लोढ़ाऊटा का सामने आया है यहां गुरुवार रात आए तेज आंधी-तूफान ने तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण एक विशाल आम का पेड़ बिजली ट्रांसफार्मर पर गिर गया, जिससे ट्रांसफार्मर

पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना से चार गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जो 14 घंटे से अधिक समय तक बाधित रही। गुरुवार रात करीब 9 बजे अचानक मौसम बिगड़ा और आंधी-तूफान शुरू हो गया। लोढ़ाऊटा गांव में ट्रांसफार्मर पर पेड़ गिरने से वह चकनाचूर हो गया। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि करीब 8 बिजली के पोल भी धराशायी हो गए थे और कई जगह बिजली के तार टूटकर जमीन पर बिखर गए थे, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ था। घटना के कारण ग्राम मढ़ा, लोढ़ाऊटा, आमडाड़ और बसेड़ी सहित आसपास के कई इलाकों में बिजली पूरी तरह गुल हो गई। बिजली बंद रहने से ग्रामीणों को पेयजल, मोबाइल चार्जिंग और अन्य दैनिक कार्यों में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में पिछले कई दिनों से बिजली व्यवस्था पहले से ही खराब चल रही थी। आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण गांवों के अंधेरे में डूबने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली व्यवस्था बदहाल थी, लेकिन समय पर रखरखाव न होने से नुकसान और बढ़ गया। बिजली कंपनी के कनिष्ठ अभियंता सत्य प्रकाश शाह ने बताया कि सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी। टूटे हुए तारों को सुधारने का कार्य शुरू कर दिया गया है। क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए पत्र भेजा गया है और टूटे हुए बिजली पोल हटाकर नए पोल लगाए जाएंगे ताकि जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सके।

पुलिस आरक्षक को पीटने वाले आरोपियों को छ छ माह के सश्रम कारावास

» आठ साल पूर्व सेमरिया के भरे बाजार में पुलिस के साथ किये थे मारपीट

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चुरहट की न्यायालय के द्वारा 6-6 माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। बताया गया कि दिनांक 9 नवंबर 2018 को फरियादी आरक्षक रावेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी एवं सहायक उपनिरीक्षक राजमणि अहिरवार एवं अधिग्रहीत वाहन चालक प्रदीप शर्मा के साथ देहात भ्रमण में गए थे। समय करीब 19:30 बजे सेमरिया बाजार में कल्लू गुप्ता के होटल के पास पहुंचे तो रोडपर राकेश गुप्ता अपनी मोटरसाइकल व स्कूटी खड़ी किए था, जिससे आवागवन बाधित हो रहा था और आम जनता को आने-जाने में असुविधा हो रही थी। चौकी प्रभारी के निर्देश पर फरियादी आरक्षक गाड़ी से उतर कर रमेश गुप्ता को समझाने लगा कि रोड पर वाहन मत खड़ा किया करो, हटा लो,

तो राकेश गुप्ता का भाई कमलेश गुप्ता व रामपाल उर्फ मंज गुप्ता अपनी दुकान का काउंटर धकेल दिये व अश्लील गालियां देते हुए उससे लपट पडे जिससे फरियादी आरक्षक की वर्दी का नेम प्लेट टूटकर गिर गया तथा राकेश गुप्ता ने उसे हाथ-मुक्कों से मारा। इतने में सउनि अहिरवार व चौकी प्रभारी आए तो ये कहते हुए कि तुम्हारे जैसे बहुत पुलिस वाले देखे है। तुम्हारी गाड़ी में आग लगाकर तुम लोगों को जला देंगे और चौकी में आग लगा देंगे। जिस पर आरोपीगण के विरुद्ध थाना चुरहट में अपराध क्रमांक 497/2018 धारा 353, 186, 332, 294, 506, 34, 283 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय चुरहट के समक्ष पेश किया गया, जिसके न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक आरसीटी/44/2019 में शासन की ओर से सहायक निदेशक, अभियोजन सीधी राजकुमार रावत के निर्देशन में सशक्तर पैरवी करते हुए सहायक जिला अभियोजन अधिकारी गरूण कुमार कोल, चुरहट के द्वारा अभियुक्तगण को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वरूप न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चुरहट की न्यायालय के द्वारा अभियुक्तगण राकेश गुप्ता पिता कल्लू गुप्ता उम्र 30 वर्ष, कमलेश गुप्ता पिता कल्लू गुप्ता उम्र 25 वर्ष, रामपाल गुप्ता पिता मंजा गुप्ता उम्र 35 वर्ष, सभी निवासीग्राम सेमरिया, आरक्षी केंद्र कमर्जी, जिला सीधी मप्र तीनों को धारा 332, 34 भादवि के आरोप में 6-6 माह के सश्रम कारावास एवं 500-500 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय, अब तक 3 की मौत

प्राया। अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप MV होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। BBC के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने AFP से बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। WHO ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है। डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है। मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। हार्वर्ड के प्रोफेसर एलन ने बताया कि हंतावायरस से संक्रमित लोगों को 40 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है, क्योंकि इसका इन्क्यूबेशन पीरियड लंबा होता है। शरीर में वायरस के घुसने से लेकर पहले लक्षण दिखने के बीच के समय को इन्क्यूबेशन पीरियड कहते है। डॉक्टर के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि वायरस किसी व्यक्ति के शरीर में कब तक रह सकता है। WHO प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रेसियस ने कहा कि हंतावायरस का इंक्यूबेशन पीरियड छह हफ्ते तक हो सकता है। इसलिए आगे भी नए मामले सामने आने की आशंका बनी हुई है।

ट्यूनीशिया में पत्रकार जियेद हेनी को एक साल की जेल

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया की एक अदालत ने चर्चित पत्रकार जियेद हेनी को न्यायपालिका की आलोचना करने के मामले में एक वर्ष की जेल की सजा सुनाई है। इस फैसले के बाद देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी को लेकर बहस तेज हो गई है। जियेद हेनी को पिछले महीने उस समय हिरासत में लिया गया था, जब उन्होंने एक लेख में न्यायपालिका के एक फैसले की आलोचना की थी। उनके वकील नफा लारी बी ने अदालत के फैसले को "कठोर" बताते हुए कहा कि यह ट्यूनीशिया में स्वतंत्र अभिव्यक्ति पर बढ़ती पाबंदियों को और मजबूत करता है। सजा सुनाए जाने से एक दिन पहले हेनी ने जेल से अपने परिवार के माध्यम से एक पत्र जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा कि वह इस मामले में किसी भी फैसले के खिलाफ अपील नहीं करेंगे क्योंकि वह इस मुकदमे को वैध नहीं मानते। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। मानवाधिकार संगठनों और पत्रकार संगठनों का कहना है कि राष्ट्रपति कैस सईद के सत्ता केंद्रीकरण के बाद देश में स्वतंत्र आवाजों पर दबाव लगातार बढ़ा है। वर्ष 2021 में राष्ट्रपति सईद ने निर्वाचित संसद को भंग कर दिया था और बाद में अध्यादेशों के जरिए शासन शुरू किया। इसके बाद 2022 में उन्होंने सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल को भी भंग कर कई न्यायाधीशों को पद से हटा दिया था। विपक्षी दलों ने तब आरोप लगाया था कि इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता कमजोर हुई है। हालांकि राष्ट्रपति सईद इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने न्यायपालिका में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की है और देश में स्वतंत्रता पूरी तरह सुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि 2011 में ट्यूनीशिया में हुए जनआंदोलन के बाद अभिव्यक्ति की आजादी में काफी विस्तार हुआ था और इसी आंदोलन ने "अरब स्प्रिंग" की शुरुआत की थी लेकिन हाल के वर्षों में विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और कारोबारियों की गिरफ्तारी ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

एमपी और यूपी में आंधी-बारिश से 10° तक घटा तापमान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, पाकिस्तान से सटे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और गंगा से सटे बंगाल के इलाकों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। दक्षिण में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कई जिलों में भी अगले 7 दिन तक भारी बारिश होगी। शुक्रवार को एमपी में आंधी बारिश के बाद तापमान 34°C तक पहुंच गया। यूपी में भी बारिश से राहत रही। 7 दिन पहले जिस बांदा में तापमान 47.6°C था, वह 7 मई को 38°C तक पहुंच गया। हालांकि, गुजरात और महाराष्ट्र में गर्मी और उमस वाला मौसम बना हुआ है। गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म रहा, यहां का तापमान 42.9°C दर्ज किया गया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिला प्रशासन ने निजी कोचिंग संस्थानों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच क्लासेस रोकने को कहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि क्लासेस सुबह-शाम या ऑनलाइन/डिजिटली लगाई जाएं। उत्तराखंड में आज भी बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। केदारनाथ में भी गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई।

नासिक टीसीएस केस- मुख्य आरोपी निदा खान हिरासत में, यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप

नासिक। नासिक TCS केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को गुरुवार रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया। निदा पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप हैं। इससे पहले 2 मई को नासिक कोर्ट ने निदा की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज की थी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। इस दौरान निदा फरार चल रही थी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया था कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। FIR के अनुसार, निदा पर आरोप है कि उसने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी। मामले की जांच नासिक पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) जांच कर रही है। इस मामले में अब तक 9 FIR दर्ज हुई हैं, जो महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ी हैं। SIT ने इस मामले में अब तक एक महिला ऑपरेशंस मैनेजर समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। निदा ने एंटीसिपेटरी बेल के लिए अपनी प्रेग्नेंसी का हवाला दिया, लेकिन कोर्ट ने इसे स्वीकार नहीं किया था। मामले पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (TCS) ने पिछले महीने बयान में कहा था कि कंपनी किसी भी तरह के हैरेसमेंट और जबरदस्ती के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी पर काम करती है।

यूक्रेन ने रूस में विजय दिवस समारोह से पहले की ड्रोन हमलों की बौछार

एजेंसी, मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ा युद्ध पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पश्चिमी देशों का समर्थन प्राप्त यूक्रेन और रूस के बीच 24 फरवरी 2022 से शुरू यह युद्ध अब वैश्विक कूटनीतिक और आर्थिक तनाव का केंद्र बन गया है। रूस में नौ मई को विजय दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए रूस ने एकतरफा सैन्य विराम की घोषणा की है। यह 8 मई आधी रात से प्रभावी होगा । यूक्रेन ने गुरुवार रात रूस पर ड्रोन हमलों की बौछार की है। तास न्यूज एजेंसी और मॉस्को टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने दावा किया है कि हमले के लिए दागे गए यूक्रेन के 347 ड्रोन को मार गिराया है। यूक्रेन ने 20 से ज्यादा रूसी क्षेत्रों को निशाना बनाने के मकसद से ड्रोन की बौछार की। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन लॉन्च किए थे।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को समेत कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय करना पड़ा। गुरुवार दिन में भी यूक्रेन ने कई और ड्रोन भेजे। यह मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। इसका असर राजधानी के हवाई यातायात पर भी पड़ा। मॉस्को के तीन बड़े एयरपोर्टरमेत्येवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो से करीब 100 उड़ानें रद या देर से संचालित हुईं। महत्वपूर्ण है कि रूस के सैन्य विराम की घोषणा से पहले यूक्रेन ने भी मंगलवार आधी रात से हमले रोकने की बात कही थी।

यूक्रेन का दावा है कि उसके दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में रूसी ड्रोन हमले में तीन बच्चों समेत नौ लोग घायल हो गए। रूस ने रातभर में 102 ड्रोन दागे। उनमें से 92 को मार गिराया। रूस के सैन्य अधिकारियों ने कहा कि विजय दिवस समारोह शुरू होने से पहले सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। 9 मई को मॉस्को में मोबाइल इंटरनेट और मैसेजिंग सेवाएं भी बंद रहेंगी। इस बार परेड में टैंक, मिसाइल और भारी सैन्य उपकरण नहीं दिखेंगे। मंत्रालय ने इसकी वजह मौजूदा सुरक्षा स्थिति बताई है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि स्थिति जटिल है। बावजूद इसके विजय दिवस पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। वहीं, रूस ने यूक्रेन को चेतावनी दी है कि अगर विजय दिवस समारोह में कोई बाधा डालने की कोशिश हुई तो कीव पर बड़े स्तर का जवाबी हमला किया जा सकता है। रूस के राष्ट्रपति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि जवाबी कार्रवाई की संभावना को लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कीव में मौजूद विदेशी दूतावासों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी एहतियातन अपने कार्यालय खाली करने की सलाह दी है। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने सेंट पीटर्सबर्ग में आम नागरिकों की जगहों पर ड्रोन हमले करने के लिए लातवियाई हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया। यह आरोप तब लगाया गया, जब लातविया ने कहा कि रूस की तरफ से कई ड्रोन उसके इलाके में घुस आए। लातवियाई अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार तड़के दो ड्रोन उनके इलाके में गिर गए।

सगे भाइयों ने इकलौती बहन को घर गिफ्ट किया

एजेंसी, लुधियाना

लुधियाना में सगे भाइयों ने इकलौती बहन को 175 गज का घर गिफ्ट कर दिया। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपए है। भाइयों ने सरप्राइज तरीके से बहन को ये गिफ्ट दिया। वह ढोल बजाते हुए बहन को वहां ले गए। जब उन्होंने नेम प्लेट से कागज हटाया तो अपना नाम लिखा देकर बहन रो पड़ी। बहन शादीशुदा है। भाइयों का कहना है कि पिता के निधन के बाद बहन हमेशा उनके साथ खड़ी रही। इसलिए अपने घर के नजदीक ही मकान बनाकर दिया। बहन को घर गिफ्ट करने वाले दोनों भाई एक्टिंग करते हैं। एक भाई बिग बॉस के सीजन 10 में कॉमनर कंटेस्टेंट के तौर पर भी हिस्सा ले चुका है।

अमर देवगन और देव देवगन ने बताया कि उनकी बहन मनप्रीत कौर की शादी 2011 में लुधियाना में ही हुई। मनप्रीत के पति होम लोन डिपार्टमेंट में मैनेजर हैं। वैसे तो, बहन के पास पहले से ही 2 प्रॉपर्टी हैं लेकिन वह चाहते थे कि मायके से भी कुछ नया मिले। इसी वजह से उन्होंने तय किया कि बहन को कोई बड़ा सरप्राइज गिफ्ट देंगे।

♦ 175 गज में बना, कीमत करीब 50 लाख, सरप्राइज देख फूट-फूटकर रोई

पहले ब्रेजा गिफ्ट की, 5 साल से प्लानिंग कर रहे थे: भाई देव ने बताया कि इससे पहले रक्षाबंधन पर उन्होंने बहन मनप्रीत को एक्टिवा गिफ्ट दी थी। फिर 19 मई 2025 को बहन की मैरिज एनिवर्सरी थी। जिसमें उन्होंने बहन को ब्रेजा कार गिफ्ट की थी। जिसके बाद उन्होंने बहन को 175 गज का घर गिफ्ट करने की प्लानिंग की। हालांकि इसकी प्लानिंग वह 5 साल से कर रहे थे। यह घर जिंदगी भर अब बहन के साथ रहेगा।

महाराष्ट्र बोर्ड दसवीं का रिजल्ट घोषित 92.90 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

एजेंसी, पुणे

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल की आयोजित दसवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस वर्ष कुल 92.90 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। सबसे अधिक परिणाम कोंकण विभाग का रहा, जहां 97.62 प्रतिशत छात्र पास हुए, जबकि सबसे कम परिणाम छत्रपति संभाजीनगर विभाग का 88.41 प्रतिशत दर्ज किया गया।

राज्य मंडल के अध्यक्ष त्रिगुण कुलकर्णी ने पत्रकार परिषद में परिणाम घोषित किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव रनजीतसिंह देओल, शिक्षा आयुक्त सचिंद्र प्रताप सिंह, परीक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नंदकुमार बेडसे सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य के पुणे, मुंबई, नाशिक, लातूर, अमरावती, नागपुर, कोकण, कोल्हापुर और छत्रपति संभाजीनगर समेत नौ विभागीय मंडलों के माध्यम से परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के लिए 16 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इस बार भी लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा। कुल 89.56 प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए, जबकि 94.96 प्रतिशत लड़कियां परीक्षा में सफल रहीं। पिछले वर्ष परिणाम 94.10 प्रतिशत रहा था, यानी इस वर्ष रिजल्ट में 2.01 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

त्रिगुण कुलकर्णी ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कॉपीमुक्त अभियान चलाया गया था। इसके तहत 271 उड़नदस्ते और महिला विशेष पथकों की नियुक्ति की गई थी। इसके अलावा जिला स्तर पर भी अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं।

नेपाल में बस्तियां खाली कराए जाने का विरोध, देश भर में भूमिहीनों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के बाद देशभर के भूमिहीन लोग सड़क पर उतर आए हैं। काठमांडू की 16 बस्तियों से नौ दिनों में 15 हजार से अधिक लोग विस्थापित किये जा चुके हैं। सरकारी और सार्वजनिक जमीन पर बने अनधिकृत ढांचों को हटाने के लिए जारी 35 दिन की नोटिस के विरोध में लोग आंदोलन कर रहे हैं। काठमांडू से नौ दिन पहले शुरू हुआ बस्ती खाली कराने का अभियान अब पूरे देश में चलाने की तैयारी है। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के विरोध में भूमिहीन तथा अव्यवस्थित लोगों ने शुक्रवार को बुटवल में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सरकार पहले वास्तविक भूमिहीन और अव्यवस्थित बसोबासियों की पहचान करे और पिछली सरकारों के दौरान भूमि आयोग की तय व्यवस्था के अनुसार उन्हें व्यवस्थित कर लालपुर्जा (मालिकाना प्रमाणपत्र) उपलब्ध कराए। भूमिहीन संघर्ष समिति के संयोजक खगेन्द्र पौडेल ने कहा कि सरकार ने बिना किसी तैयारी और विकल्प के डोजर चलाकर लोगों में आतंक फैलाया है। आज ही मकवानपुर जिले के हेटौंडा में भी संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर सुकुमबासियों ने सड़क पर प्रदर्शन किया। थाना भर्याङ से शुरू हुई रैली के प्रतिभागियों ने प्रमुख जिला अधिकारी और हेटौंडा के मेयर को ज्ञापन पत्र सौंपा। इसी तरह बर्दिया जिला मुख्यालय गुलरिया में भूमिहीन, मुक्त कमैया और अव्यवस्थित बसोबासियों ने प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि प्रदेश के वन मंत्रालय ने 15 दिन की नोटिस जारी कर लोगों को उजाड़ने की कोशिश की है। बर्दिया की आठों स्थानीय पालिकाओं के प्रमुखों ने बस्तियां खाली कराने संबंधी नोटिस का विरोध किया। इधर काठमांडू के माइतीघर मण्डला में भी भूमिहीन, अधिकारकर्मी और अन्य संगठनों ने अलग-अलग प्रदर्शन किए हैं। भूमिहीनों को को जबरन विस्थापित किए जाने के विरोध में काठमांडू में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार भूमिहीनों पर अमानवीय दमन कर "श्वेत आतंक" फैला रही है।

आज ही रुपन्देही जिले के मोतिपुर क्षेत्र के निवासी भी सरकार द्वारा डोजर चलाकर आतंकित किए जाने के विरोध में सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि भूमिहीनों के पुनर्वास और कानूनी अधिकार सुनिश्चित किए बिना यदि बस्तियां खाली कराई गईं, तो वे प्रतिरोध करेंगे। सरकार पर बिना तैयारी लोगों को उजाड़ने का आरोप लगाते हुए सुनसरी जिले के धरान में आज सुबह से ही प्रदर्शन जारी है। नेपाल बसोवास बस्ती संरक्षण समाज द्वारा आयोजित जुलूस में शामिल लोगों ने कहा कि यदि धरान की बस्तियाँ हटाने की कोशिश की गई तो उसका विरोध किया जाएगा।

शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज तक तनाव अमेरिका ने किया हवाई हमला, ईरान ने भी दिया जवाब

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य तक तनाव बढ़ गया है। ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तटीय जलक्षेत्र में एक ईरानी तेल टैंकर और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास दूसरे जहाज को निशाना बनाया। इसके अलावा दक्षिणी ईरान के बंदर खमीर, सिरिक और केशम द्वीप के नागरिक इलाकों में अमेरिका की वायुसेना ने हवाई हमला किया। ईरान का दावा है कि उसने दुश्मन को माकूल जवाब दिया। अल जजीरा, इरना और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने आत्मरक्षा के लिए यह कदम उठाया। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके नौसैनिक बलों पर मिसाइलों, ड्रोन और तेज गति वाली नावों से हमला किया। इसलिए हमला करने के लिए जिम्मेदार ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी ठिकानों पर हुए हमलों को "प्यार भरा थप्पड़" बताया है। उन्होंने कहा कि " सैन्य विराम जारी है। यह प्रभावी है।" उन्होंने पत्रकारों से कहाः " ईरान ने हमसे पंगा लिया। हमने उन्हें उड़ा दिया।" ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान युद्ध खत्म करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने की बात तो कह रहा है पर वह होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण औपचारिक रूप से स्थापित करने की भी कोशिश कर रहा है।

शिपिंग इंटेलिजेंस फर्म 'लॉयड्स लिस्ट' का कहना है कि जलडमरूमध्य अब बंद हो गया है। ईरान का कहना है कि उसने हाल ही में एक नई एजेंसी बनाई है। वह यहां से गुजरने वाले जहाजों को मंजूरी देने का काम करेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। इन कूटनीतिक प्रयासों के बीच, अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें गुरुवार को लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रहीं। युद्ध शुरू होने से पहले यह कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल थी। तेहरान के साथ ताजा तनाव के बीच फ्लोरिडा के टैम्पा स्थित सेंट्रल कमांड ने बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि ताजा हवाई हमला आत्मरक्षा के लिए किया गया। विदेशमंत्री मार्को रूबियो ने पहले ही कह चुके हैं कि अमेरिका आत्मरक्षा करने में पीछे नहीं हटेगा। बताया गया है कि तेहरान में रात को कई जगह धमाके सुने गए। एयर डिफेंस सिस्टम को चालू किया गया। इस दौरान ईरान की राजधानी में दो धमाके हुए। ईरान के दक्षिणी इलाके के मीनाब शहर में गवर्नर ने घर से बाहर आकर एक नौसैनिक अड्डे पर हुए हमलों की पुष्टि की।

कुत्तों ने 2 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला

पिता के पास सो रही थी मासूम, उठाकर 50 मीटर दूर ले गए कुत्ते

एजेंसी, झालावाड़

राजस्थान के झालावाड़ में कुत्तों के हमले में 2 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे भाटिया वर्कशॉप के पास एक अस्थायी टेंट के बाहर हुई। बच्ची पिता के साथ टेंट के बाहर सो रही थी। तभी 3-4 कुत्ते अचानक वहां पहुंचे और बच्ची को उठाकर करीब 50 मीटर दूर ले गए। आहट सुनकर पिता उठे तो बच्ची गायब थी। पिता बच्ची को ढूंढते हुए मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक कुत्तों ने बच्ची को बुरी तरह नोच डाला था। पिता ने किसी तरह कुत्तों को भगाकर बच्ची को छुड़ाया और तुरंत एसआरजी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची गोरी के पिता राजूलाल

मूल रूप से बारां जिले के भंवरगढ़ के रहने वाले हैं। वे करीब डेढ़ महीने पहले काम की तलाश में झालावाड़ आए थे। वे भाटिया वर्कशॉप के पास टेंट लगाकर रह रहे थे। शादी-ब्याह में ढोल बजाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। जानकारी के अनुसार, गोरी की मां मनीषा ने 5 दिन पहले एसआरजी अस्पताल में एक बेटी को जन्म दिया है। नवजात की हालत गंभीर होने पर आईसीयू में रखा गया है।

इंदौर–खंडवा राजमार्ग परियोजना 88 फीसदी पूरी, इस साल शुरू होगा यातायात

एजेंसी, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के बन रहे इंदौर-खंडवा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तेजाजी नगर–बलवाड़ा खंड पर चार लेन सड़क और तीन सुरंगों का निर्माण 88 प्रतिशत पूरा हो चुका है। सरकार इसे इसी साल यातायात के लिए खोलने की तैयारी में है। इस परियोजना से घाटी क्षेत्रों में यात्रा समय घटकर मात्र एक घंटे रह जाएगा और दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर भेरूघाट (575 मीटर), बैग्राम (480 मीटर) और चोरल घाट (550 मीटर) सुरंगों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इन सुरंगों से घाटी मार्गों के प्रमुख ब्लैक स्पॉट स्थायी रूप से दूर होंगे और यात्रियों को सुरक्षित व सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

स्थानीय किसानों और चालकों ने कहा कि पहले मंडियों तक माल पहुंचाना जोखिम भरा था और संकरी दो-लेन सड़क पर हर यात्रा तनावपूर्ण होती थी। अब चौड़ी सड़क और सुरंगों से जाम और दुर्घटनाओं की समस्या दूर होगी। मंत्रालय ने बताया कि इस परियोजना पर 924.44 करोड़ रुपये की लागत आ रही है और इसके पूरा होने पर इंदौर से ओंकारेश्वर की यात्रा समय 2–3 घंटे से घटकर केवल 1 घंटे रह जाएगा। परियोजना में पर्यावरण और सुरक्षा उपायों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आधुनिक जल निकासी प्रणाली, क्रैश बैरियर, सड़क सुरक्षा संकेतक, वर्षा जल प्रबंधन और हरित पट्टी के लिए वृक्षारोपण जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मंत्रालय का कहना है कि यह कॉरिडोर न केवल धार्मिक यात्राओं बल्कि व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति देगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत

एजेंसी, भोपाल

सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- "Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए।"

कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था: सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने SIT की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है।

इंदौर के पास रायकुंडा गांव में दिया था विवाद बयान: यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस ऑपरेशन की मीडिया ब्रीफिंग की थी। इसके बाद महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कहा था, "जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी ही एक बहन को भेजा।" इस बयान को कर्नल कुरैशी के धर्म से जोड़कर देखा गया, जिसकी हर तरफ निंदा हुई। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। उन्होंने यहां तक कहा था- "अदालत के आदेश को लागू कराने के लिए जरूरत पड़ी तो मैं नर्क भी एक कर दूंगा।"

♦ कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार, कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

एसआईटी ने सरकार से केस चलाने की परमिशन मांगी, दो हफ्ते से लंबित: सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया था। एसआईटी ने अपनी जांच पूरी कर मंत्री के खिलाफ केस चलाने (अभियोजन) के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी है, जो पिछले दो हफ्तों से लंबित है। मंत्री शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 152, 196 (1) (b) और 197(1)(c) के तहत मामला दर्ज है, जो राष्ट्रीय संप्रभुता को खतरे में डालने और समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाने से संबंधित हैं।

बंगाल में पहली बार भाजपा सरकारः बंगाली अस्मिता,क्षेत्रीय गौरव और स्थानीय नेतृत्व को प्रमुखता -शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने से भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ -समग्र व्यापक विश्लेषण

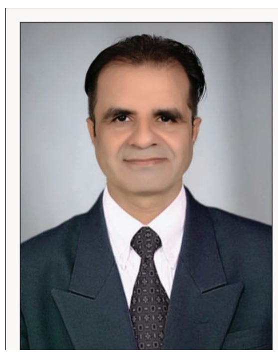

लोकतंत्र की शान

» पहले नंदीग्राम अब भवानीपुर सीट से दीदी को हराना प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश, नेतृत्व परिवर्तन का संकेत- बंगाल की जनता ने राज्य की राजनीति को नई दिशा देने का फैसला

» पश्चिम बंगाल बदलते राजनीतिक भारत की वह तस्वीर है जहां क्षेत्रीय राजनीति, राष्ट्रीय रणनीति, नेतृत्व की छवि और जनमत की दिशा तेजी से बदल रही है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 8 मई 2026 का दिन एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन के रूप में दर्ज हो गया,जब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने अपने विधायक दल की बैठक में शुभेंदुअधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया,विधायक दल की बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने सुवेंदु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। विधायकों को को पूरा मौका दिया गया कोई दूसरा नाम नहीं आया था ऐसा पर्यवेक्षक ने प्रेस में बताया।प्रस्ताव क़ा समर्थन आठ से अधिक विधायकों सहित कई विधायकों ने किया और सर्वसम्मति से उन्हें नेता चुना गया जिसकी घोषणा पर्यवेक्षक अमित शाह ने की तथा माला पहनाकर उनको गले लगाया, वे अपने पास गृह विभाग रख सकते हैं। संभवतः भाजपा दो उपमुख्यमंत्री वाला मॉडल अपना सकती है,जिसमें एक संभवतः रूपा गांगुली व दूसरा दार्जिलिंग क्षेत्र से बनाने की संभावना है और सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि मुख्यमंत्री चुनकर एक ऐसे राजनीतिक अध्याय की शुरुआत कर दी हैं,जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक असंभव मानी जाती थी। दशकों तक वामपंथ और फिर तृणमूल कांग्रेस के प्रभुत्व वाले बंगाल में भाजपा का सत्ता तक पहुंचना केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि भारत की बदलती राजनीतिक धारा, क्षेत्रीय राजनीति के पुनर्संतुलन और राष्ट्रीय दलों के विस्तार की नई कहानी है। कोलकाता के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक पर केवल भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों की भी नजर थी, क्योंकि यह तय होना था कि आखिर उस ऐतिहासिक जनादेश का नेतृत्व कौन करेगा जिसनेबंगाल की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। अंततः वही हुआ जिसकी राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से चर्चा थी शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया और उनके मुख्यमंत्री बनने का मार्ग औपचारिक रूप से प्रशस्त हो गया। साथियों बात अगर हम इस ऐतिहासिक स्थिति की करें तो यह फैसला केवल एक व्यक्ति के मुख्यमंत्री बनने की कहानी नहीं है,बल्कि यह उस राजनीतिक यात्रा का परिणाम है जिसमें बंगाल की जनता ने लंबे समय से स्थापित सत्ता संरचना को चुनौती देते हुए एक नए विकल्प पर भरोसा जताया। भाजपा को 293 में से 207 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिलना इस बात का संकेत है कि राज्य की राजनीति में व्यापक जनमत परिवर्तन हुआ है। यह जीत सामान्य चुनावी सफलता नहीं मानी जा सकती, क्योंकि बंगाल लंबे समय तक भाजपा के लिए सबसे कठिन राजनीतिक क्षेत्रों में गिना जाता था। ऐसे में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री चुना जाना भाजपा की रणनीतिक राजनीति, संगठनात्मक विस्तार और बंगाल में क्षेत्रीय भावनाओं को समझने की क्षमता का सटीक परिणाम माना जा रहा है। साथियों बात अगर कर हम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की राजनीतिक यात्रा को समझने की करें तो भी इस ऐतिहासिक क्षण को और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था और तभी से बंगाल की राजनीति में एक बड़े वैचारिक संघर्ष की शुरुआत हो गई थी। नंदीग्राम में ममता बनर्जी को हराने के बाद उनका राजनीतिक कद लगातार बढ़ता गया। 4 में 2026 को रिजल्ट आए इस चुनाव में भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को 15,000 से अधिक वोटों से हराना केवल चुनावी जीत नहीं बल्कि प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश भी था। यह उस नेतृत्व परिवर्तन का संकेत था जिसमें बंगाल की जनता ने राज्य की राजनीति को नई दिशा देने का फैसला किया। साथियों बात अगर हम राजनीतिक दृष्टि से इसे देखकर समझने की करें तो भारी जीत के साथ दर्ज किए गए इस चुनाव में एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीति अपनाई। लंबे समय तक यह आरोप लगाया जाता रहा कि भाजपा बंगाल में बाहरी नेतृत्व पर निर्भर है और उसके पास स्थानीय बंगाली चेहरा नहीं है। लेकिन इस चुनाव में पार्टी ने स्पष्ट रूप से स्थानीय नेतृत्व को केंद्र में रखा। शुभेंदु अधिकारी को चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा बनाना इसी रणनीति का हिस्सा था। भाजपा ने समझ लिया था कि बंगाल जैसे सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य में केवल राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर सत्ता हासिल करना संभव नहीं होगा। इसलिए बंगाली अस्मिता,क्षेत्रीय गौरव और स्थानीय नेतृत्व को प्रमुखता दी गई।शुभेंदु अधिकारी इस रणनीति के सबसे उपयुक्त चेहरे साबित हुए। साथियों बात अगर कर हम विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया की करें तो केंद्रीय गृह मंत्री की विधायक दल की बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में मौजूदगी ने इस फैसले को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया।यह केवल औपचारिक उपस्थिति नहीं थी बल्कि इससे यह संदेश गया कि भाजपा नेतृत्व बंगाल की सत्ता परिवर्तन को राष्ट्रीय राजनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानता है।अमित शाह लंबे समय से बंगाल भाजपा के विस्तार के प्रमुख रणनीतिकार रहे हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया और राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण को अपने पक्ष में मोड़ने का प्रयास किया। विधायक दल की बैठक में उनकी मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि बंगाल में बनने वाली सरकार केवल राज्य की सरकार नहीं बल्कि भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी। साथियों बात अगर हम शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के पीछे कई राजनीतिक कारण रहे, इसको समझने की करें तो सबसे पहला कारण उनका मजबूत जनाधार है। वे लंबे समय से बंगाल में भाजपा के सबसे आक्रामक नेताओं में गिने जाते रहे हैं। उनकी राजनीतिक शैली सीधे जनसंपर्क और तीखे राजनीतिक हमलों के लिए जानी जाती है। ग्रामीण बंगाल में उनका प्रभाव विशेष रूप से मजबूत माना जाता है। भाजपा को यह एहसास था कि बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से जटिल राज्य में ऐसे नेता की आवश्यकता होगी जो संगठन और जनता दोनों के बीच समान रूप से प्रभावशाली हो।अधिकारी इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरे।दूसरा महत्वपूर्ण कारण उनका राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक समझ है। तृणमूल कांग्रेस में रहते हुए उन्होंने लंबे समय तक संगठन और सरकार दोनों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्हें बंगाल की प्रशासनिक संरचना,स्थानीय सत्ता समीकरण और क्षेत्रीय सामाजिक संरचना की गहरी समझ है। भाजपा के लिए यह अनुभव अत्यंत उपयोगी माना गया क्योंकि सत्ता परिवर्तन के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने की होगी। तीसरा बड़ा कारण केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनका मजबूत तालमेल माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अमित शाह और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ शुभेंदु अधिकारी के संबंध अत्यंत मजबूत हैं। भाजपा ऐसे राज्य में सत्ता संभालने जा रही है जहां उसे प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर तीव्र चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में पार्टी ऐसा मुख्यमंत्री चाहती थी जो केंद्र और राज्य के बीच मजबूत सटीकता से समन्वय स्थापित कर सके। साथियों बात अगर हम इस राजनीतिक घटनाक्रम का एक भावनात्मक पहलू को समझने की करें तो । हाल ही में उनके करीबी सहयोगी की हत्या ने पूरे चुनावी माहौल को प्रभावित किया था। भाजपा ने इसे राजनीतिक हिंसा और लोकतंत्र पर हमले के रूप में प्रस्तुत किया। इससे शुभेंदु अधिकारी के प्रति सहानुभूति की लहर भी बनी, जिसका चुनावी प्रभाव देखने को मिला। बंगाल लंबे समय से राजनीतिक हिंसा के आरोपों से घिरा रहा है और भाजपा ने इस मुद्दे को अपने चुनाव अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाया। अधिकारी इस राजनीतिक नैरेटिव के केंद्र में रहे।अब जब शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं तो सबसे बड़ी चर्चा नई सरकार की संरचना को लेकर हो रही है। खबरें हैं कि बंगाल में दो उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं ताकि क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन स्थापित किया जा सके। भाजपा समझती है कि बंगाल की राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है। राज्य में लंबे समय तक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने के लिए उसे उत्तर बंगाल, दक्षिण बंगाल, आदिवासी क्षेत्रों, शहरी मतदाताओं और धार्मिक- सामाजिक समूहों के बीच संतुलन बनाना होगा। दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा इसी राजनीतिक रणनीति का सटीक हिस्सा मानी जा रही है। साथियों बात अगर हम 9 मई 2026 को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में हो रहे शपथ ग्रहण समारोह को समझने की करें तो राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक संदेश देने का मंच भी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसमें शामिल होने की संभावना ने इस समारोह को राष्ट्रीय स्तर का महत्व दे दिया है। भाजपा इस शपथ ग्रहण को बंगाल में नई राजनीतिक शुरुआत के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस राजनीतिक परिवर्तन को गंभीरता से देखा जा रहा है।पश्चिम बंगाल भारत कासामरिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है।बांग्लादेश, नेपाल और पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में राज्य में सत्ता परिवर्तन का असर केवल स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा। विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय भू-राजनीति पर भी इसके प्रभाव पड़ सकते हैं।आर्थिक दृष्टि से भी भाजपा सरकार के गठन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लंबे समय से उद्योग और निवेश के मामले में बंगाल अपेक्षित प्रगति नहीं कर पाया था। भाजपा ने चुनाव अभियान में राज्य कोऔद्योगिक और निवेश केंद्र बनाने का वादा किया था। अब शुभेंदु अधिकारी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार,उद्योग और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेज बदलाव लाने की होगी। निवेशकों की नजर अब नई सरकार की नीतियों पर होगी। यदि भाजपा केंद्र और राज्य के समन्वय से बड़े निवेश आकर्षित करने में सफल होती है तोबंगाल की अर्थव्यवस्था में बड़ा परिवर्तन संभव है।हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। भाजपा को प्रशासनिक ढांचे में विश्वास कायम करना होगा। राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण अत्यधिक गहरा है। तृणमूल कांग्रेस अभी भी मजबूत सामाजिक और राजनीतिक आधार रखती है। ऐसे में नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखने की होगी। यदि सरकार प्रतिशोध की राजनीति से बचते हुए प्रशासनिक सुधार और विकास पर ध्यान केंद्रित करती है तो यह भाजपा के लिए दीर्घकालिक सफलता का आधार बन सकता है।ममता बनर्जी की राजनीतिक पराजय भी भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। एक समय ऐसा था जब उन्हें भाजपा विरोधी राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा माना जाता था। लेकिन इस चुनाव ने दिखा दिया कि भारतीय राजनीति में कोई भी नेतृत्व स्थायी नहीं होता। जनता समय-समय पर सत्ता परिवर्तन के माध्यम से लोकतंत्र की शक्ति का प्रदर्शन करती है। बंगाल के चुनाव परिणाम इसीलोकतांत्रिक परिवर्तन का उदाहरण हैं। साथियों बात अगर हम राजनीतिक विश्लेषकों केविचारों को समझने की करें तो उनका मानना है कि बंगाल में भाजपा की जीत और शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना आने वाले वर्षों की राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। इससे भाजपा को पूर्वी भारत में और अधिक विस्तार का मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। साथ ही विपक्षी दलों की रणनीतियों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। क्षेत्रीय दलों के सामने यह चुनौती होगी कि वे भाजपा के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कैसे करें। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री चुना जाना केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि भारतीय राजनीति के नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। यह उस बदलते राजनीतिक भारत की तस्वीर है जहां क्षेत्रीय राजनीति, राष्ट्रीय रणनीति, नेतृत्व की छवि और जनमत की दिशा तेजी से बदल रही है। बंगाल की जनता ने एक नया अध्याय लिखा है और अब पूरे देश की नजर इस बात पर होगी कि शुभेंदु अधिकारी इस ऐतिहासिक जनादेश को किस दिशा में ले जाते हैं।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9226229318

स्वाधीनता का अप्रतिम योद्धाः हल्दीघाटी के महानायक महाराणा प्रताप की अमर गाथा

लेखक-सुनील कुमार महला

कहते हैं कि जिस राष्ट्र के पास अपने वीरों की गाथाएँ होती हैं, उसका इतिहास कभी पराजित नहीं होता। ऐसे ही एक वीर सपूत हुए हैं-मेवाड़ के सिसौदिया राजवंश से ताल्लुक रखने वाले अदम्य साहसी और स्वाभीमानी वीर महाराणा प्रताप। पाठकों को बताता चलूं कि 9 मई को राजस्थान में मेवाड़ के गौरव कहलाने वाले, भारतीय इतिहास की शौर्य गाथाओं में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले वीर योद्धा और अदम्य साहस के प्रतीक कहलाने वाले महाराणा प्रताप की जयंती को एक प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दिवस के रूप में मनाया जाता है। महाराणा प्रताप का पूरा नाम महाराणा प्रताप सिंह सिसोदिया था, जिनका जन्म 9 मई,1540 को कुंभलगढ़ दुर्ग, राजस्थान में हुआ था, तथा जिनके पिता का नाम महाराणा उदयसिंह तथा माता का नाम रानी जयवंता बाई था। आपके बचपन का नाम कीका था,जो भील समुदाय द्वारा आपको दिया गया था। विश्व प्रसिद्ध स्वामीभक्त घोड़ा चेतक आपका सच्चा साथी था, जिसने हल्दीघाटी के युद्ध में अपनी बहादुरी का परिचय दिया था, जिससे चेतक का नाम आज भी पूरे सम्मान के साथ लिया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि घायल होने के बावजूद चेतक ने 26 फीट लंबे नाले को एक छलांग में पार कर अपने स्वामी(महाराणा प्रताप) के प्राण बचाए थे। महाराणा प्रताप ने उस दौर में मुगलों का जमकर प्रतिरोध किया, जब उत्तर भारत के लगभग-लगभग सभी राजा मुगल बादशाह अकबर की अधीनता स्वीकार कर चुके थे। पाठक जानते होंगे कि इतिहास के सबसे भीषण माने जाने वाले युद्ध हल्दीघाटी के युद्ध (18 जून, 1576) में महाराणा प्रताप के पास सीमित सेना थी, जबकि मुगल सेनापति मानसिंह प्रथम के पास विशाल सैन्य बल था। जानकारी मिलती है कि इस युद्ध के बाद ही प्रताप ने छापामार युद्ध (गुरिल्ला वारफेयर) की नीति अपनाई। यहां यह भी गौरतलब है कि हल्दीघाटी का युद्ध वीरता, आत्मसम्मान और अदम्य संकल्प की अमर गाथा है। इतिहास में विवरण मिलता है कि हल्दीघाटी के युद्ध के दौरान इतनी अधिक संख्या में सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे, कि वहां की मिट्टी लाल हो गई थी। युद्ध स्थल के पास आज भी एक तालाब है जिसे रक्त तलाई कहा जाता है। माना जाता है कि युद्ध के दौरान यह तालाब पूरी तरह रक्त से भर गया था। बहरहाल, यहां पाठकों को बता दूं कि इतिहासकारों के अनुसार इस युद्ध(हल्दीघाटी के युद्ध)को लेकर अलग-अलग मत हैं। सैन्य दृष्टि से मुगल सेना को बढ़त मिली, क्योंकि युद्धभूमि पर उनका नियंत्रण रहा और महाराणा प्रताप को पहाड़ों की ओर गमन करना पड़ा, लेकिन राजनीतिक और नैतिक दृष्टि से महाराणा प्रताप को पराजित नहीं माना जाता, क्योंकि वे न तो बंदी बने और न ही उन्होंने कभी मुगल शासक अकबर की अधीनता ही स्वीकार की। गौरतलब है कि युद्ध के बाद भी महाराणा प्रताप ने लंबे समय तक संघर्ष जारी रखा और मेवाड़ के बड़े हिस्से को पुनः अपने नियंत्रण में ले लिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भीलों ने महाराणा प्रताप के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और राणा पूंजा उनके प्रमुख सहयोगियों में थे। गौरतलब है कि इतिहासकार हल्दीघाटी का युद्ध को निर्णायक विजय के बजाय अनिर्णायक युद्ध या मुगलों की सामरिक जीत लेकिन प्रताप की नैतिक विजय मानते हैं। यद्यपि अकबर और महाराणा प्रताप घोर प्रतिद्वंद्वी थे, लेकिन स्वयं अकबर, महाराणा प्रताप की वीरता, स्वाभिमान और संघर्षशीलता का सम्मान करता था। सच तो यह है कि अकबर प्रताप की अदम्य स्वतंत्रता-भावना से प्रभावित बताया जाता है।कहा जाता है कि अकबर ने प्रताप के निधन का समाचार सुनकर दुख व्यक्त किया था।

पं बंगाल में शांति व्यवस्था को अराजकता हिंसा की चुनौती

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व जीत के बाद जिस तरह की हिंसा और तोड़फोड़ की वारदातों की झड़ी लगी है बेशक वो टीएमसी के दबंगई भरे डेढ़ दशक के खिलाफ लोगों की नाराजगी और टीएमसी कार्यकर्ताओं की सत्ता छिटकने की हताशा की प्रतिक्रिया हो सकता है लेकिन दोनों राजनीतिक दलों को संयम और समझदारी और सदाचार बनाए रखने की जरूरत है। भाजपा को भाजपा बनाए रखने के लिए इस तरह की अराजकता फैलाने से अपने कार्यकर्ताओं को रोकना ही होगा हालांकि यह हिंसा एकतरफा नही है जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए की बीती रात अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या की है वह बताता है कि हिंसा और अराजकता का दौर अभी थमने वाला नहीं है। कानून व्यवस्था की स्थिति को सख्ती से सुधारना होगा चुनाव बाद हिंसा में चार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मौजूदा चुनाव नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था।उधर कोलकाता में राज्य के पुलिस डीजीपी ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद आरही हिंसक वारदातों पर उपद्रवियों को कड़ी चेतावनी जारी की है दो सौ उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि चार लोगों की हिंसा में मौत हो गई है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई। आपको बता दें पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या के मामले में एक के बाद एक चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि घटना रात 10 बजे से 10:15 बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि हमले के समय गाड़ी की अगली सीट पर चंद्रनाथ रथ और उनका ड्राइवर मौजूद थे। पीछे की सीट पर मिंटू नाम का एक व्यक्ति बैठा था, जिसे चंद्रनाथ रथ का करीबी बताया जा रहा है।सूत्रों के मुताबिक जिस सिल्वर रंग की गाड़ी के जरिए चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया, उस गाड़ी के चेसिस नंबर मिटा दिए गए थे। यानि हमलावरों ने बहुत बारीकी से इस पूरे हत्याकांड की तैयारी की थी। जांच के फोकस में एक सिल्वर रंग की गाड़ी है, जिससे चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया था। रात तकरीबन 10 बजकर 20 मिनट पर चंद्रनाथ रथ की गाड़ी मेन हाईवे से उनके घर की गली की तरफ मुड़ी और घर से केवल 100 मीटर की दूरी पर इस गाड़ी को हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी के सामने लगा दिया। इसके बाद बाइक पर सवार एक हमलावर जिसने कैप पहनी हुई थी, उतरता है और ताबड़तोड़ 4 राउंड फायरिंग की। जिसमें से 3 राउंड रथ के सीने में लगा जिससे उनकी मौत हो गई और उनके ड्राइवर की हालत नाजुक है। गौर करने वाली बात है कि चंद्रनाथ रथ वही शख्स हैं, जिन्होंने पिछले दिनों चुनाव के दौरान शुभेंदु अधिकारी का प्रतिनिधित्व करते हुए कई जगह देखे गए थे। जब ममता बनर्जी भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाख़िल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे। चंद्रनाथ रथ (42) बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक थे। चंद्रनाथ, शुभेंदु गृह के जिले पूर्वी मिदनापुर के चांदीपुर के रहने वाले थे। चंद्रनाथ भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी हैं। उन्होंने साल 2019 में शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक के तौर पर काम शुरू किया था, जब शुभेंदु ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री थे। दिलचस्प बात यह है कि बंगाल चुनाव की मतगणना से ठीक तीन दिन पहले 30 अप्रैल को जब ममता बनर्जी शाख़ावत मेमोरियल हाई स्कूल स्थित भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाख़िल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे। शुभेंदु अधिकारी की गैर-मौजूदगी में वे मतगणना केंद्र के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, क्योंकि शुभेंदु उस रात पूर्वी मिदनापुर स्थित अपने गृह नगर कांथी के लिए रवाना हो चुके थे। जैसा कि आप जानते हैं कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका ज़ाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं। राज्य में तोड़फोड़ और हिंसा की कई ख़बरें आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बयान जारी कर आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अपनी पहचान बदलकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की हत्या तब कर दी गई, जब वह न्यू टाउन में पार्टी की जीत की रैली में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। हावड़ा के उदयनारायणपुर में भाजपा कार्यकर्ता यादव बार की हत्या कर दी गई। टीएमसी के प्रवक्ता जय प्रकाश मजूमदार ने कहा, अब तक हमारे दो कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है, एक बीरभूम में और दूसरा कोलकाता में। बीरभूम में, पीड़ित की पहचान पार्टी सदस्य अबीर शेख के रूप में हुई, जबकि बेलेघाटा में टीएमसी कार्यकर्ता बिस्वजीत पटनायक की हत्या कर दी गई पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ये मौतें राजनीति से जुड़ी थीं या नहीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने, जिन्होंने अपना नाम न बताने की शर्त पर बात की, कहा कि कम से कम दो मामले राजनीतिक नहीं थे।अधिकारी ने कहा, शुरुआती जांच से पता चलता है कि हावड़ा में हुई हत्या राजनीतिक नहीं थी। यह निजी दुश्मनी के कारण हुई थी। बेलेघाटा में, पीड़ित छत से कूद गया, जब कुछ लोग उसे ढूंढते हुए उसके दरवाजे पर आए और वह भागने की कोशिश कर रहा था। कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने कहा, कोलकाता के हॉग मार्केट में बुलडोजर से जुड़ी जो घटना हुई है, उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, एक हत्या हुई है, लेकिन यह गैंगवार का मामला है। इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने कहा, चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और राज्य में तैनात केंद्रीय पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सुनिश्चित करें।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

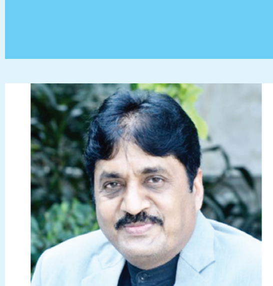

लेखक- ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के "सांस्कृतिक पुनर्जागरण" के रूप में देख रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में "बंगाली अस्मिता" और "हिंदू पहचान" के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। "वंदे मातरम्" का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ। पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि "सांस्कृतिक सुरक्षा" स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान "जय श्रीराम" जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

वैभव नंबर 1 पर कायम, पारी में 8 छक्के लगा कूपर कोनोली नहीं निकल पाए उनसे आगे

टूटा डिकॉक का 10 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 49वें मैच में पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज कूपर कोनोली ने हैदराबाद के खिलाफ जमकर लड़ाई की और नाबाद 107 रन की शतकीय पारी खेली। कूपर बेशक अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए, लेकिन उन्होंने क्विंटन डिकॉक का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। अपनी पारी में कूपर ने 8 छक्के भी लगाए, लेकिन वो वैभव सूर्यवंशी के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में कामयाब नहीं हो पाए।

वैभव से पीछे रह गए कूपर कोनोली- कूपर ने हैदराबाद के खिलाफ अपनी नाबाद 107 रन की पारी के दौरान कुल 8 छक्के लगाए और वो आईपीएल में अपनी पहली 9 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। वैभव का रिकॉर्ड टूटने से बच गया और वो पहले नंबर पर बने हुए हैं। आईपीएल की पहली 9 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है।

कूपर ने की प्रभसिमरन की बराबरी

कूपर कोनोली पंजाब किंग्स के लिए 22 साल की उम्र में आईपीएल में शतक लगाने वाले दूसरे बैटर भी बने। इससे पहले पंजाब के लिए 22 साल की उम्र में इस लीग में शतक लगाने का कमाल प्रभसिमरन सिंह ने साल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ किया था। अब कूपर कोनोली ने ऐसा कमाल किया और उनकी बराबरी पर आ गए।

छक्के लगाने वाले टॉप-3 बैटर

- 30 छक्के : वैभव सूर्यवंशी
- 28 छक्के : जैक फ्रेजर मैकगर्क
- 26 छक्के : कूपर कोनोली

कूपर ने तोड़ा 10 साल पुराना रिकॉर्ड

कूपर ने आईपीएल करियर का पहला शतक हैदराबाद के खिलाफ लगाया और वो अब इस लीग में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले विदेशी बैटर भी बन गए। कूपर ने ये कमाल 22 साल 257 दिन की उम्र में किया और उन्होंने क्विंटन डिकॉक का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। डिकॉक इससे पहले आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले विदेशी बल्लेबाज थे। उन्होंने ये कमाल साल 2016 में 23 साल 122 दिन की उम्र में आरसीबी के खिलाफ किया था।

सबसे कम उम्र के विदेशी शतकवीर

- 22 साल 257 दिन – कूपर कोनोली बनाम SRH, हैदराबाद, 2026
- 23 साल 122 दिन – क्विंटन डिकॉक बनाम RCB, बेंगलुरु, 2016
- 23 साल 153 दिन – डेविड वॉर्नर बनाम KKR, दिल्ली, 2010
- 23 साल 330 दिन – डेविड मिलर बनाम RCB, मोहाली, 2013
- 23 साल 352 दिन – कैमरन ग्रीन बनाम SRH, वानखेड़े, 2023

'वसीम अकरम से सामने सुपर ओवर में नहीं टिक पाएंगे विराट कोहली'

- **279 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले बॉलर ने किया दावा**

नई दिल्ली। विराट कोहली इस युग के बेस्ट क्रिकेटर हैं और ऐसा कई दिग्गज मान चुके हैं। विराट कोहली ने क्रिकेट के हर प्रारूप में खुद को साबित किया और वो आज उस स्थान पर खड़े हैं जहां पहुंचना हर क्रिकेटर के बस की बात नहीं होती है। कोहली से पहले भी कई दिग्गज क्रिकेटर हुए जिन्होंने अपना लोहा मनवाया और किसी दो क्रिकेटर की तुलना करना बेतुका लगता है। आधुनिक पीढ़ी के दिग्गज क्रिकेटर और भारत के अब तक के महानतम क्रिकेटरों में से एक विराट कोहली के बारे में इयान बिशप ने बात की और जब उनसे विराट कोहली और पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम में से किसी एक को विजेता चुनने को कहा गया तब इयान ने वसीम अकरम को कोहली से ऊपर रखा।

अकरम बनाम विराट में किसकी होगी जीत- ईएसपीएन क्रिकइंफो पर एक शो के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप (इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने 279 विकेट लिए थे) से पूछा गया कि अगर विराट कोहली और वसीम अकरम एक-दूसरे के खिलाफ सुपर ओवर में आमने-सामने हों तो कौन जीतेगा। इसका जवाब देते हुए इयान ने वसीम अकरम को चुना। हालांकि उन्होंने अपने इस चुनाव के पीछे की वजह साफ तौर पर नहीं बताई, लेकिन ऐसा लगा कि गेंदबाजी में अकरम की जिस तरह की महारत थी उसकी वजह से उन्होंने अकरम का चयन किया।

वैभव को खेलता देख आई सचिन तेंदुलकर की याद

...लेकिन माईकल क्लार्क ने कहा- टेस्ट के लिए जल्दबाजी न करने की चेतावनी भी दी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की है। माइकल क्लार्क ने कहा है कि उन्होंने इतनी कम उम्र में किसी खिलाड़ी को इस तरह खेलते पहले नहीं देखा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन ने हर किसी को हैरान कर दिया है।

बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने वैभव सूर्यवंशी के आसपास बन रहे माहौल की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के शुरुआती दिनों से की। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इतनी जल्दी वैभव सूर्यवंशी से टेस्ट क्रिकेट में बड़े चमत्कार की उम्मीद करना सही नहीं होगा।

माइकल क्लार्क ने कहा, ''खैर, मैंने पहले ऐसा कभी नहीं देखा। मैंने किसी 15 साल के बच्चे को ऐसा करते हुए नहीं देखा।'' माइकल क्लार्क ने हालांकि, वैभव के मामले में जल्दबाजी नहीं दिखाने की चेतावनी देते हुए कहा, ''आप जानते हैं दोनों बहुत अलग खिलाड़ी हैं और हां आप तुलना नहीं कर सकते। जब मैं पीछे मुड़कर सोचता हूं तो मुझे याद आता है कि जब सचिन तेंदुलकर ऑस्ट्रेलिया आए थे और उनके बारे में जो चर्चा थी, उस समय सच में वैसी चर्चा थी। मुझे लगता है कि वह 16 साल के थे। हां, 16 के ही थे। और वह चर्चा उन्होंने अपनी काबिलियत से हासिल की थी। उनकी वह विरासत आज भी सबके सामने है।'' वैभव सूर्यवंशी ढ्ढक्कु सीजन के सबसे ज्यादा चर्चा वाले खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं। उनकी निडर बल्लेबाजी और शांत स्वभाव ने भारत के बाहर भी लोगों का ध्यान खींचा है। वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 10 मैचों में 237.64 के स्ट्राइक रेट से 404 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक और एक शतक शामिल है। इस युवा खिलाड़ी की तेजी से हुई तरक्की ने इस बात को लेकर उत्सुकता जगा दी है कि वह वह भविष्य में क्या बन सकते हैं, लेकिन माइकल क्लार्क ने जोर देकर कहा कि इस चर्चा को वर्तमान पर ही केंद्रित रखना चाहिए।

माइकल क्लार्क ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह रहा होगा कि वह सीधे टेस्ट क्रिकेट में जाकर तुरंत ही महान खिलाड़ियों में से एक बन जाएगा। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह खेलते हैं, अभी मैं जो देख रहा हूं, वह इस फ़ॉर्मेट के लिए बहुत ज़्यादा उपयुक्त है।''

इसके साथ माइकल क्लार्क ने यह भी साफ किया कि इतनी कम उम्र में इस तरह का प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से उन्हें क्रिकेट की दुनिया में और भी ऊंचे मुकाम हासिल करने की राह पर आगे बढ़ाता है।

पीएफ पर 34% ब्याज! प्राइवेट ट्रस्ट अब नहीं दे पाएंगे भारी-भरकम इंटरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने उन कंपनियों के लिए नियमों में बड़ा बदलाव किया है जो अपना योगदान खुद के ट्रस्ट के जरिए संभालती हैं। अब इन कंपनियों के लिए हर साल होने वाले अनिवार्य ऑडिट की जगह रिस्क-आधारित सिस्टम लागू किया जाएगा। साथ ही, ये ट्रस्ट अपने कर्मचारियों को दर से 2% से ज्यादा ब्याज नहीं दे सकेंगे। नए नियमों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कंपनी बिकने या मर्जर होने पर भी उनका पीएफ ट्रस्ट का स्टेटस खत्म नहीं होगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने हाल ही में इन नियमों को मंजूरी दी है।

नए सिस्टम के तहत, ये प्राइवेट ट्रस्ट द्वारा घोषित सालाना ब्याज दर से 2 प्रतिशत से ज्यादा अतिरिक्त ब्याज नहीं दे पाएंगे। अधिकारी ने बताया, यह फैसला पैसों की समझदारी बनाए रखने और बहुत ज्यादा रिटर्न देने से रोकने के लिए लिया गया है। दरअसल, यह देखा गया था कि कुछ ट्रस्ट तब 34% जैसा भारी-भरकम ब्याज देने लगते थे जब उनके सदस्यों की संख्या बहुत कम रह जाती थी।

ऑडिट के मामले में अब ईपीएफओ केवल उन्हीं कंपनियों या ट्रस्ट की जांच करेगा जिनमें जोखिम ज्यादा होगा। या जो नियमों का पालन नहीं कर रहे होंगे। जो कंपनियां नियम मान रही हैं, उनका हर साल ऑडिट करना जरूरी नहीं होगा। नए नियमों के मुताबिक, अगर कोई कंपनी किसी दूसरी कंपनी के साथ जुड़ती है या उसे खरीदती है तो भी उसका तहत 'छूट प्राप्त' दर्जा बरकरार रह सकेगा। एक सीनियर अधिकारी ने श्वञ्ज को बताया कि भारत में करीब 1,000 से 1,200 बड़ी कंपनियां, और प्राइवेट संस्थान हैं जिन्हें छूट मिली हुई है। ये कंपनियां ऐक्ट 1952 की धारा 17 के तहत अपना ट्रस्ट खुद चलाती हैं। हालांकि, शर्त यह होती है कि उन्हें अपने कर्मचारियों को स्कीम के बराबर या उससे बेहतर फायदे देने होते हैं। कोई भी कंपनी अपनी मर्जी से या कोर्ट के आदेश पर ही इस छूट (एग्जेंप्शन) को खत्म कर सकती है। अगर कोई कंपनी अपना ट्रस्ट बंद करती है या छूट छोड़ती है, तो उसे अखबारों में पब्लिक नोटिस देना होगा। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि कर्मचारियों का हक सुरक्षित रहे। साथ ही, बंद होने के वक्त उन सभी खातों को (जिनकी केवाईसी नहीं हुई है या जो बंद पड़े हैं) को ट्रांसफर करना होगा, ताकि पैसों का गलत इस्तेमाल न हो सके। इन बदलावों का मकसद सरकारी निगरानी को मजबूत करना।

दो राज्यों से आईटी डिपार्टमेंट ने जुटाए 20,000 करोड़, एमएस धोनी सबसे बड़े टैक्सपेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025-2026 के दौरान झारखंड और बिहार से इनकम टैक्स विभाग का कुल कलेक्शन लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी दोनों राज्यों को मिलाकर सबसे ज्यादा व्यक्तिगत टैक्स देने वाले शख्स रहे। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के एक सीनियर अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इनकम टैक्स के प्रधान मुख्य आयुक्त (बिहार-झारखंड) डॉ. डी. सुधाकर राव ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बिहार और झारखंड से कुल कलेक्शन लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहा। इसमें से 12,000 करोड़ रुपये सिर्फ झारखंड से जमा हुए।'

धोनी सबसे बड़े टैक्सपेयर: उन्होंने बताया कि कुल कलेक्शन का लगभग 70 फीसदी हिस्सा टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (ञ्जष्ठस्) के जरिए मिला। राव ने कहा, 'पिछले वित्त वर्ष के दौरान बिहार और झारखंड को मिलाकर एमएस धोनी सबसे ज्यादा व्यक्तिगत टैक्स देने वाले व्यक्ति थे।' हालांकि, उन्होंने धोनी के नेट टैक्स रिटर्न की जानकारी देने से परहेज किया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कॉर्पोरेट जगत में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सीएमपीडीआई सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली कंपनियों में शामिल थीं। राव ने कहा, 'पिछले वित्त वर्ष के दौरान, भारी बारिश की वजह से खनन गतिविधियों पर थोड़ा असर पड़ा था। इसका असर कलेक्शन पर भी दिखा। हमें उम्मीद है कि मौजूदा वित्त वर्ष में टैक्स कलेक्शन का आंकड़ा 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा।'

उन्होंने आगे बताया कि बिहार और झारखंड में लगभग 5.5 करोड़ पैन कार्ड धारक हैं। नए इनकम टैक्स एक्ट को लेकर बैठक इससे पहले, राव ने इनकम टैक्स अधिकारियों के साथ नए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 को लेकर एक बैठक की। यह एक्ट 1 अप्रैल से लागू होगा।

प्रतीक्षा की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नही

जिस सरकारी बैंक में कभी 65 महीने में टॉयलेट करती थीं साफ अब वहीं एजीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतीक्षा टोंडवलकर की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। वह मुंबई की रहने वाली हैं।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में कभी उन्होंने सफाईकर्मी के तौर पर काम किया। टॉयलेट और बैंक के फर्नीचर की सफाई की। सिर्फ 65 रुपये महीने की पगार पर वह ये सभी काम करती थीं। फिर आगे चलकर उसी बैंक में प्रतीक्षा असिस्टेंट जनरल मैनेजर बन गईं। 17 साल की उम्र में शादी। फिर 20 साल की उम्र में पति का सिर पर से साया उठ जाने तक, उन्होंने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ देखा और सहा है। जिस मुकाम तक प्रतीक्षा आज पहुंची हैं, वह उनकी कड़ी मेहनत और लगन के कारण मुमकिन हुआ। आइए, यहां प्रतीक्षा टोंडवलकर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। प्रतीक्षा की शादी 17 साल की उम्र में सदाशिव कडू से हो गई थी। माता-पिता की आर्थिक तंगी के कारण वह अपनी 10वीं कक्षा की परीक्षा भी पूरी नहीं कर पाई थीं। सदाशिव मुंबई में एसबीआई में बुकबाइंडर के तौर पर काम करते थे। दुख की बात यह है कि जब यह जोड़ा अपने गांव जा रहा था, तभी एक दुर्घटना में सदाशिव की मौत हो गई। इससे 20 साल की उम्र में ही प्रतीक्षा को अपने गुजारे के लिए संघर्ष करना पड़ा।

एसबीआई में सफाईकर्मी का किया काम: शिक्षा की कमी के कारण प्रतीक्षा के लिए ठीक-ठाक नौकरी खोजना काफी मुश्किल था। परिवार का पेट पालने और अपनी हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के लिए उन्हें एसबीआई में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने पर मजबूर होना पड़ा। टॉयलेट और बैंक के फर्नीचर की सफाई करके वह महीने के लगभग 60-65 रुपये कमाती थीं। साथ ही अपने बेटे की देखभाल करती थीं। यही नहीं, दूसरे छोटे-मोटे काम भी करती थीं। प्रतीक्षा ने दिन-रात एक कर दिया और अपने बेटे का पेट पालने के लिए अपनी क्षमता से कहीं ज्यादा मेहनत की। हर बड़ी उपलब्धि के पीछे संघर्ष और जीत के कई पड़ाव होते हैं। प्रतीक्षा की कहानी भी इससे अलग नहीं थी।

खाड़ी युद्ध ने बिगाड़ा शाही शादियों का बजट, लेकिन भारत के लिए आया आपदा में अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और तनाव का असर अब भारतीय शादियों के बजट पर साफ दिखने लगा है। वेडिंग्स एंड इवेंट्स के फाउंडर्स मोहित वर्मा और तमन्ना मेहता का कहना है कि विदेशों में होने वाली शादियों का बजट करीब 20-25% बढ़ गया है। देश के भीतर होने वाली शादियों के खर्च में भी 10-15% का उछाल आया है। इवेंट्स की डायरेक्टर आंचल कोचर का कहना है कि इसका सबसे ज्यादा असर उन शादियों पर पड़ा है जो विदेशों में होनी थीं। तनाव की वजह से पश्चिम एशिया का हवाई रास्ता प्रभावित हुआ है।

टैमरिंड ग्लोबल की वीपी अंजलि तोलानी का कहना है कि लग्जरी शादियों में इस्तेमाल होने वाले बाहर से मंगाए गए फूल, प्रीमियम खाने-पीने की चीजें और सजावट के खास सामान की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। शिपिंग का खर्च बढ़ने और सामान आने में देरी की वजह से इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। द वेडिंग कंपनी के हरिकृष्णन दिनेश ने बताया कि कई मामलों में प्लानर्स को चीन जैसे बाजारों से महंगा सामान मंगाना पड़ रहा है। परिवार अब फूंक-फूंक कर पैसा खर्च कर रहे हैं। दूसरी तरफ वेंडर्स ने कीमतें बढ़ा दी हैं, जिससे

वेडिंग प्लानर्स का मुनाफा कम हो गया है और उन पर काम का दबाव बढ़ गया है। एक्सपर्ट का कहना है कि अमीर लोग तो इस बढ़ी हुई लागत को झेल पा रहे हैं। कई भारतीय वेंडर्स जिन्होंने खाड़ी देशों में अपना काम जमाया था, वे अब वापस भारत की ओर ध्यान दे रहे हैं।

मिडल क्लास

इसकी सबसे ज्यादा मार पड़ रही है। आंचल कोचर के मुताबिक, कम बजट वाले लोग अब फंक्शन कम कर रहे हैं, मेहमानों की लिस्ट छोटी कर रहे हैं और सफर का खर्च बचाने के लिए घर के पास वाले वेन्यू ही चुन रहे हैं।

भारत का फायदा

सारी उथल-पुथल के बीच भारत के लोकल बिजनेस के लिए एक अच्छी खबर भी है। खाड़ी देशों में होने वाली बहुत सी शादियां अब भारत में शिफ्ट हो रही हैं। अंजलि तोलानी ने बताया कि राजस्थान, गोवा, केरल और देहरादून जैसे भारत के लग्जरी ठिकानों के लिए बुकिंग में अचानक तेजी आई है। इन जगहों पर भारी डिमांड की वजह से होटलों और वेन्यू की कीमतें पिछले साल के मुकाबले 35-40% तक बढ़ गई हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)